संयम ◆संस्कार ◆संतुलन

R.N.I. No.-UPHIN/2004/22466

शहर समता

वर्ष-22 अंक- 113
पृष्ठ 8
शनिवार
10 जनवरी 2026
प्रातः संस्करण
हिन्दी दैनिक
प्रयागराज
मूल्य-1.00

प्रयागराज से प्रकाशित Email : shaharsamta@gmail.com Website : https://Shaharsamta.com

सम्पादक-उमेश चन्द्र श्रीवास्तव

विविध- देश में बढ़ रहे हैं कोरोना के मामले...

विचार- जीवन में सहज-सजग शुरुआत का...

खेल- डब्ल्यूपीएल के पहले मैच में मुंबई...

सीएम योगी ने ईवी प्लांट का किया उद्घाटन, बोले-

अब यूपी अपनी क्षमताओं को परिणाम में बदलने वाला प्रदेश

लखनऊ,संवाददाता। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ व रक्षामंत्री ने लखनऊ में अशोक लीलैंड के इलेक्ट्रिक वाहन के मैन्युफैक्चरिंग प्लांट का उद्घाटन किया। इस मौके पर भारी उद्योग एवं सार्वजनिक उपक्रम केंद्रीय मंत्री एचडी कुमारस्वामी भी मौजूद रहे। सीएम योगी ने फैक्ट्री का उद्घाटन करने के बाद ई-बस में सफर भी किया। फैक्ट्री का निर्माण सरोजनी नगर इलाके में करीब 70 एकड़ में किया गया है। यहां पर ई-बस, ई-ट्रेवलर और ई-लोडिंग वाहन बनाए जाएंगे।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि यह हमारे लिए महत्वपूर्ण अवसर है। इसके लिए मैं हिंदुजा परिवार को बधाई देता हूं। यह निवेश बताता है कि यूपी में बीते आठ वर्षों में क्या परिवर्तन हुए हैं। प्रदेश के हर जिले में निवेश हो रहा है। जो कि बताता है कि अब यूपी अनलिमिटेड पोटेंशियल का ही प्रदेश नहीं बल्कि पोटेंशियल को परिणाम में बदलने वाला प्रदेश बन चुका है।

आज यूपी न सिर्फ देश के बल्कि दुनिया के निवेशकों का पसंदीदा गंतव्य बन चुका है। यही कारण है कि यूपी में निवेश के लिए 45 लाख करोड़ रुपये के निवेश के प्रस्ताव प्राप्त हो चुके हैं। प्रदेश में बीते आठ वर्षों में इंफ्रास्ट्रक्चर के क्षेत्र में जो काम हुआ है यही कारण है कि आज देश के 55 फीसदी एक्सप्रेस वे यूपी में हैं। प्रदेश में रैपिड रेल बनाई जा रही है। आज प्रदेश में 18 हजार स्टार्टअप काम कर रहे हैं। इस मौके पर भारी उद्योग एवं सार्वजनिक उपक्रम मंत्री एचडी कुमारस्वामी ने कहा कि यह सिर्फ प्रदेश के लिए ही नहीं बल्कि पूरे देश के लिए आत्मनिर्भर भारत और इलेक्ट्रिक मोबिलिटी की दिशा में बड़ा कदम है। यह भारत के कार्बन उत्सर्जन को कम करने के लक्ष्य की दिशा में भी महत्वपूर्ण कदम है।

इस मौके पर रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की प्रशंसा करते हुए कहा कि योगी जी जिस तरह से यूपी को चला रहे हैं। उससे सहज ही प्रदेश की रेटिंग एक्सीलेंट कही जा सकती है। अशोक लीलैंड कंपनी की इस ईवी फैक्टरी का उद्घाटन प्रदेश के औद्योगीकरण की दिशा में मील का पत्थर है। उन्होंने कहा कि मैं लखनऊ से सांसद हूं पर अगर मैं लखनऊ का न भी होता तो भी यह शहर मुझे उतना ही प्रिय होता जितना कि आज है ।

रक्षामंत्री बोले -

योगी के नेतृत्व में विकास और कानून व्यवस्था की मिसाल बना यूपी

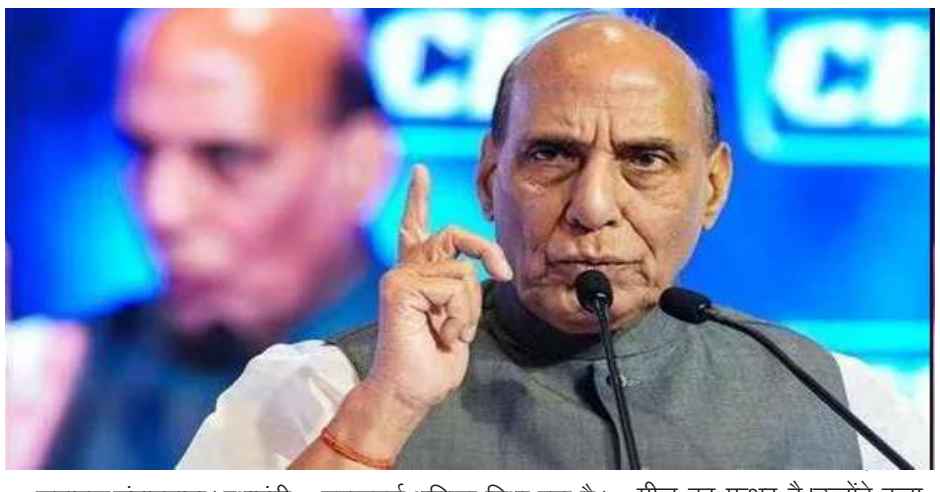

लखनऊ,संवाददाता। रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश का कायाकल्प देश के दूसरे राज्यों के लिए एक मिसाल है। पहले जो प्रदेश दंगों और खराब कानून व्यवस्था के लिए जाना जाता था वो अब निवेश के क्षेत्र में अपनी पहचान बना रहा है। यूपी अब बीमारू राज्य नहीं रहा है बल्कि देश को आगे बढ़ाने में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। रक्षामंत्री राजनाथ सिंह शुक्रवार को लखनऊ में अशोक लीलैंड के इलेक्ट्रिक वाहन के मैन्युफैक्चरिंग प्लांट का उद्घाटन करने के बाद बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि योगी जी जिस तरह से यूपी को चला रहे हैं। उससे सहज ही प्रदेश की रेटिंग एक्सीलेंट कही जा सकती है। अशोक लीलैंड कंपनी की इस ईवी फैक्टरी का उद्घाटन प्रदेश के औद्योगीकरण की दिशा में मील का पत्थर है।उन्होंने कहा कि मैं लखनऊ से सांसद हूं पर अगर मैं लखनऊ का न भी होता तो भी यह शहर मुझे उतना ही प्रिय होता जितना कि आज है । पहले जिस यूपी को खराब कानून व्यवस्था और दंगों से जोड़कर देखा जाता था वो अब निवेश के क्षेत्र में अपनी जगह बना रहा है। यह बहुत बड़ी बात है। प्रदेश में निवेश होने से यहां के युवाओं को प्रदेश में ही रोजगार मिल सकेगा।

दिल्ली एयरपोर्ट पर लगभग आठ करोड़ रुपये मूल्य का गांजा जब्त, दो यात्री गिरफ्तार

नई दिल्ली, एजेंसी। सीमा-पार से लगभग आठ करोड़ रुपये मूल्य के गांजे की तस्करी के आरोप में यहां अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से दो लोगों को गिरफ्तार किया गया है। सीमा शुल्क विभाग ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। विभाग के अधिकारियों ने बताया कि आरोपी यात्रियों को वियतनाम के हनोई से इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय (आईजीआई) हवाई अड्डे के टर्मिनल-तीन पर मंगलवार को पकड़ा गया। अधिकारियों ने पॉलीथीन के नौ पैकेट में हरे रंग का मादक पदार्थ जब्त किया, जिसके गांजा होने का संदेह है और इसका कुल वजन 7.7 किलोग्राम था। उन्होंने बताया कि आरोपियों ने प्रतिबंधित सामान को एक गुलाबी रंग के ट्रॉली बैग के अंदर कथित तौर पर छिपाकर रखा था। विभाग ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''जब इसकी जांच की गई तो प्रथम दृष्टया यह पदार्थ गांजा प्रतीत हुआ।'' विभाग के अनुसार, दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया और 7.77 करोड़ रुपये मूल्य का प्रतिबंधित पदार्थ जब्त किया गया।

सीएम सुक्खू ने पंचायत चुनाव 30 अप्रैल से पहले कराने के अदालत के आदेश पर सवाल उठाये

शिमला, एजेंसी। हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने आपदा अधिनियम लागू होने के बावजूद राज्य में पंचायत चुनाव कराने के उच्च न्यायालय के आदेश पर शुक्रवार को सवाल उठाये। सुक्खू ने कहा, ''यह सवाल हम अदालत से पूछेंगे कि क्या आपदा अधिनियम निष्प्रभावी हो गया है और उसका कोई अर्थ नहीं रह गया है।'' यह प्रतिक्रिया उच्च न्यायालय द्वारा सरकार को पंचायती राज संस्थानों (पीआरआई) और नगर निकायों के चुनाव 30 अप्रैल 2026 से पहले कराने के निर्देश के तुरंत बाद आई। मुख्यमंत्री ने आरोप लगाया कि उच्च न्यायालय के कई फैसले मनमाने हैं और उनकी कोई स्पष्ट कानूनी व्याख्या नहीं है। उन्होंने कहा कि मुद्दा पंचायत चुनावों का नहीं, बल्कि केंद्र सरकार द्वारा बनाए गए आपदा अधिनियम की कानूनी व्याख्या और उसकी प्रासंगिकता का है। मुख्यमंत्री ने कहा, "हम अदालत से स्पष्टीकरण मांगेंगे कि क्या आपदा अधिनियम की कोई प्रासंगिकता है भी? हम फैसले का अध्ययन करेंगे और उसके बाद उचित कदम उठाएंगे।" सुक्खू ने यह भी कहा कि पहले भी शिमला और कुछ अन्य क्षेत्रों में दिसंबर और जनवरी के दौरान बर्फबारी के कारण पंचायत चुनाव नहीं कराए गए थे, जबकि निचले इलाकों में चुनाव हुए थे।

अजमेर जिले में सड़क हादसे में दो भाइयों की मौत

अजमेर, एजेंसी। राजस्थान के अजमेर जिले में बृहस्पतिवार रात सड़क हादसे में दो भाइयों की मौत हो गई। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस के अनुसार पीसांगन थानाक्षेत्र के लेसवा गांव में बजरी से भरा डंपर असंतुलित होकर मोटरसाइकिल पर गिर गया। इस हादसे में गोविंदगढ़ के रहने वाले अभिषेक सेन (25) की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि उनके छोटे भाई आशीष सेन (23) गंभीर रूप से घायल हो गए और देर रात अस्पताल में इलाज के दौरान उसने भी दम तोड़ दिया।

राहुल गांधी का भाजपा पर तीखा हमला, कहा-

लोगों की जिंदगी की तबाह, लगाए सिलसिलेवार आरोप

नई दिल्ली,एजेंसी। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी केंद्र की मोदी सरकार पर जमकर हमलावर हैं। एक दिन पहले जहां उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर ट्रंप के टैरिफ को लेकर कड़ा निशाना साधा था। वहीं अब उन्होंने एक लंबे-चौड़े एक्स पोस्ट के जरिए भाजपा शासित राज्यों पर सिलसिलेवार हमला किया है। कांग्रेस सांसद ने शुक्रवार को अपने बयान में आरोप लगाते हुए कहा कि देशभर में भ्रष्ट जनता पार्टी की डबल इंजन सरकारों ने जनता की जिंदगी तबाह कर दी है। राहुल गांधी ने भाजपा को घेरते हुए कहा कि भ्रष्टाचार के साथ सत्ता का दुरुपयोग और अहंकार का जहर भाजपा की राजनीति में ऊपर से नीचे तक फैल चुका है। राहुल गांधी ने अपने पोस्ट में लिखा, इनके सिस्टम में गरीब, असहाय, मजदूर और मध्यमवर्ग की जिंदगी सिर्फ आंकड़ा है और विकास के नाम पर वसूली-तंत्र चल रहा है। उत्तराखंड में अंकिता भंडारी की निर्मम हत्या ने पूरे देश को झकझोर दिया – लेकिन सवाल आज भी वही हैरू सत्ता का संरक्षण भाजपा के किस वीआईपी को बचा रहा है? कानून सबके लिए बराबर कब होगा?

उन्होंने यूपी और इंदौर का मुद्दा उठाते हुए लिखा, उत्तर प्रदेश के उन्नाव कांड में भी पूरा देश देख चुका है कि सत्ता के गुरूर में अपराधियों को कैसे बचाया गया और पीड़िता को न्याय के लिए कितनी कीमत चुकानी पड़ी। इंदौर में जहरीला पानी पीकर मौतें हों या गुजरात-हरियाणा-दिल्ली तक काले पानी और दूषित सप्लाई की शिकायतें – हर तरफ बीमारियों का डर है। हालिया अरावली पर्वत माला को लेकर उपजे विवाद पर कांग्रेस सांसद ने कहा, राजस्थान की अरावली हो या प्राकृतिक संसाधन – जहां-जहां अरबपतियों का लालच और स्वार्थ पहुंचा, वहां-वहां नियमों को रौंद दिया गया। पहाड़ काटे जा रहे हैं, जंगल उजाड़े जा रहे हैं।

अमित शाह ने लॉन्च किया देश का पहला राष्ट्रीय आईईडी डेटा मैनेजमेंट सिस्टम

नई दिल्ली,एजेंसी। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शुक्रवार को भारत के पहले राष्ट्रीय आईईडी डेटा मैनेजमेंट सिस्टम का उद्घाटन किया। यह कदम देश की काउंटर-IED और आतंरिक सुरक्षा संरचना को और मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है। एनआईडीएमएस को नेशनल सिक्योरिटी गार्ड द्वारा विकसित किया गया है। यह एक सुरक्षित डिजिटल प्लेटफॉर्म है, जो आईईडी से संबंधित डेटा के संग्रह, समेकन और वितरण को व्यवस्थित करने में मदद करेगा। वर्चुअल उद्घाटन के दौरान अमित शाह ने कहा कि इंटर-एजेंसी समन्वय भी अब और बेहतर होगा। यह सही समय और सही जगह पर सही जानकारी पहुंचाने का एक बहुत प्रभावी तरीका होगा। एनएसजी की स्थापना 1984 में हुई थी और तब से इसने दुनिया भर में हुए आतंकवादी हमलों का विश्लेषण किया है और किसी भी परिस्थिति के लिए तैयार किया है।

अल्पसंख्यकों का उत्पीड़न निंदनीय, खतरे में सुरक्षा: विदेश मंत्रालय

नई दिल्ली,एजेंसी। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने शुक्रवार को साप्ताहिक प्रेस वार्ता को संबोधित किया। इस दौरान बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों के उत्पीड़न पर चिंता जताई। जायसवाल ने कहा, हम लगातार देख रहे हैं कि चरमपंथियों की ओर से अल्पसंख्यकों के साथ-साथ उनके घरों और व्यवसायों पर बार-बार हमले हो रहे हैं। यह चिंताजनक सिलसिला है। ऐसी सांप्रदायिक घटनाओं से तत्काल और सख्ती से निपटना जरूरी है। ऐसी घटनाओं को व्यक्तिगत प्रतिद्वंद्विता, राजनीतिक मतभेद या बाहरी कारणों से जोड़ने की प्रवृत्ति चिंताजनक है। इस तरह की अनदेखी अपराधियों को और भी बेखौफ बनाती है और अल्पसंख्यकों के बीच खौफ और असुरक्षा की भावना को और गहरा करती है। अमेरिकी संसद में रूसी तेल की खरीद को लेकर 500 फीसदी टैरिफ का प्रावधान करने वाले विधेयक को लेकर भी विदेश मंत्रालय ने प्रतिक्रिया दी। प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा, हम प्रस्तावित विधेयक से अवगत हैं। हम घटनाक्रम पर बारीकी से नजर रख रहे हैं। ऊर्जा स्रोतों के व्यापक मुद्दे पर हमारा रुख सर्वविदित है।

फूलपुर के युवक की भिवंडी में हार्ट अटैक से मौत

प्रयागराज। एक युवक की भिवंडी में हार्ट अटैक से मौत हो गई। बृहस्पतिवार को जब शव गांव पहुंचा तो परिजनों में कोहराम मच गया। फूलपुर कोतवाली क्षेत्र के कोड़ापुर गांव निवासी अमित कुमार गौतम उर्फ आजाद (40) पुत्र लालजी गौतम महाराष्ट्र के भिवंडी में रहकर काम करता था। मंगलवार को दिनभर काम करने के बाद जब वह शाम को कमरे पर पहुंचा तो अचानक उसके सीने में तेज दर्द उठा। साथियों ने उसे अस्पताल पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने हार्ट अटैक की आशंका जताते हुए उसे मुंबई रेफर कर दिया। अमित को मुंबई ले जाया जा रहा था लेकिन रास्ते में ही उसकी मौत हो गई।

नहर टूटने से किसानों की फसल जलमग्न

प्रयागराज। तहसील क्षेत्र में नहर विभाग की उदासीनता अब किसानों पर भारी पड़ रहा है। विभाग की ओर से नहर की सफाई के नाम पर खाना पूर्ति कर पानी छोड़ दिया गया है। बृहस्पतिवार को बरदहा रजबहा में पानी छोड़े जाने पर अन्तहिया गांव के सामने नहर टूट गई। देखते ही देखते किसनों की सैकड़ो बीघा गेहूं व सरसों की फसल जलमग्न हो गई।

इसी तरह घोड़ेडीह, आधार का पूरा, हर्रई, मझुआ गांव के सामने नहर की आधी अधूरी सफाई कर पानी छोड़ दिया गया। किसान राज बहादुर, बबलू कोलहा, देवी प्रसाद मिश्र ने बताया कि विभाग की ओर से प्रत्येक वर्ष नहर की सफाई कराई जाती है, लेकिन नहर क्षतिग्रस्त होने पर उसकी मरम्मत कार्य नहीं कराया जाता। नहर टूटने पर विभागीय अधिकारियों से संपर्क किया गया लेकिन उनका फोन नहीं उठ रहा है।

समाजसेवी के बेटे के बाद पिता की भी मौत

प्रयागराज। जनवार गांव के समाजसेवी सिद्धांत तिवारी के इकलौते बेटे पार्थ तिवारी (25) की मौत के महीने भर बाद बुधवार को पिता संगम लाल तिवारी की भी मौत हो गई। उनका इलाज शहर के एक निजी अस्पताल में चल रहा था। बताया जाता है कि पोते की मौत के गम में संगम लाल तिवारी (90) पूरी तरह से टूट गए थे, जिस वजह से उनकी तबीयत खराब चल रही है। उधर, व्यापार मंडल मेजारोड के संरक्षक नित्यानन्द उपाध्याय और अध्यक्ष पप्पू उपाध्याय की अध्यक्षता में व्यापारियों ने शोक संवेदना व्यक्त किया है।

बस की टक्कर से टेंपो चालक की मौत, कोहराम

प्रयागराज। कौड़िहार बाजार में सड़क पार करते समय परिवहन निगम की बस की टक्कर से टेंपो चालक घायल हो गया। इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। बाद में परिजनों ने युवक का अंतिम संस्कार कर दिया है। अभिषेक उपाध्याय (18) पुत्र संजय उपाध्याय निवासी बुदौना थाना नवाबगंज टेंपो चलाता था। बुधवार की शाम करीब छह बजे कौड़िहार चौराहे पर वह टेंपो खड़ी करके सड़क पार करने लगा। लखनऊ से प्रयागराज की ओर से आ रही बस चालक ने टक्कर मार दी। हादसे में वह घायल हो गया, जिसे इलाज के लिए पहले निजी अस्पताल में दाखिल कराया गया। देर रात उसे स्वरूप रानी अस्पताल में भर्ती कराया। जहां बृस्पतिवार को सुबह उसकी मौत हो गई। मौका पाकर बस चालक वाहन लेकर भाग निकला। अंतिम संस्कार कुरेसर घाट पर कर दिया गया। मृतक के पिता संजय उपाध्याय, मां सुधा देवी, छोटे भाई रुद्र नारायण व अक्षत नारायण, बहन खुशी, दीपांजलि, मोनिका तथा सृष्टि का रो– रो कर बुरा हाल रहा।

कोहरे में दो कारें भिड़ीं, पुलिस कर्मी घायल

प्रयागराज। इलाके के बिगहनी गांव के सामने बृहस्पतिवार सुबह कोहरे की वजह से दो कारों में भिड़ंत हो गई। इस दौरान एक कार में सवार भदोही में पुलिस विभाग में दीवान ज्ञान सिंह

(56) गंभीर रूप से घायल हो गए। उन्हें रामनगर सीएचसी के बाद शहर रेफर कर दिया गया। दूसरी कार में सवार लोग दुर्घटना के बाद कार को लॉक कर भाग गए। सूचना पर चौकी इंचार्ज रामनगर अभिनव उपाध्याय पहुंचकर दुर्घटना ग्रस्त कारों को सड़क के किनारे कराकर बाधित आवागमन को बहाल कराया। मेजा थाना क्षेत्र के डोहरिया (नयाकापूरा) के ज्ञान सिंह (56) भदोही में पुलिस विभाग में दीवान के पद पर तैनात हैं। बताया गया कि ज्ञान सिंह छुट्टी लेकर कार से अकेले घर आ रहे थे।

ट्रेन से कटकर महिला की मौत, नहीं हो सकी शिनाख्त

प्रयागराज। क्षेत्र के ग्राम सभा पिलखुआं रेलवे क्रॉसिंग के निकट बृहस्पतिवार को एक महिला का छत विक्षत शव मिला। सूचना पर पहुंची पुलिस ने उसकी पहचान करने का प्रयास किया, लेकिन उसकी शिनाख्त नहीं हो सकी है। स्टेशन अधीक्षक अर्जुन यादव ने बताया कि शाम को साकेत मुंबई सुपर फास्ट ट्रेन गुजरी है। उसी से महिला के कटने की सूचना मिली है। इंस्पेक्टर मऊआइमा पंकज अवस्थी ने बताया कि महिला की पहचान नहीं हो सकी है। उसकी उम्र करीब 40 से 42 वर्ष आंकी जा रही है। वह पीले रंग की साड़ी। इंस्पेक्टर ने बताया कि फिलहाल पहचान न होने से शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा जा रहा है।

मंत्री नंदी ने पीड़ित परिवार से की मुलाकात, दिया कार्रवाई का भरोसा

प्रयागराज। जमीलाबाद मोहल्ले में बुधवार देर रात हुई फायरिंग की घटना के बाद इलाके में दहशत का माहौल है। बृहस्पतिवार शाम कैबिनेट मंत्री नंद गोपाल गुप्ता नंदी पीड़ित के घर पहुंचे और परिजनों से मुलाकात कर उन्हें ढांढस बंधाया। जमीलाबाद मोहल्ला निवासी सनी सोनी पर बुधवार देर रात चार नकाबपोश बदमाशों ने फायरिंग कर दी थी। किसी तरह जान बचाकर वह मौके से भाग निकला। बृहस्पतिवार को पीड़ित परिवार से बातचीत के दौरान कैबिनेट मंत्री ने कहा कि प्रदेश सरकार अपराध और अपराधियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई कर रही है। गुंडों और माफियाओं से डरने की जरूरत नहीं है। उन्होंने भरोसा दिलाया कि दोषियों को किसी भी कीमत पर बख्शा नहीं जाएगा। पुलिस का कहना है कि मामले की गंभीरता से जांच की जा रही है और आरोपियों की पहचान कर जल्द गिरफ्तारी की जाएगी। इस मौके पर उप जिलाधिकारी जूही प्रसाद, एसीपी विवेक यादव, फूलपुर चेयरमैन अमरनाथ यादव, राकेश केसरवानी, कमलेश मिश्रा, अनिल मौर्य, आलोक गुप्ता, प्रमोद पांडेय आदि मौजूद रहे।

बर्फीली हवाओं और कोहरे के बीच मचान पर कट रही किसानों की रात

प्रयागराज। किसान ठंड में खेतों में जागकर अपनी फसलों की रक्षा कर रहे हैं। नीलगाय और आवारा पशुओं की समस्या ने उनकी मेहनत को खतरे में डाल दिया है। फसल बोने से लेकर कटाई तक, किसान हर कदम पर संघर्ष कर रहे हैं। सरकारी योजनाओं की कमी और पशुओं की बढ़ती संख्या ने उनकी मुश्किलें और बढ़ा दी हैं।

किसानों का दर्द कड़ाके की ठंड, कोहरे से ढंके खेत, सन्नाटे को चीरती सर्द हवाएं और खुले आसमान के नीचे मचान पर बैठकर फसलों को बचाने की जद्दोजहद किसानों की नीयति बन चुकी है। यह कोई दृश्य मात्र नहीं, बल्कि आज के किसान की हकीकत है। जब शहरों में लोग रजाइयों और ब्लोअर की गर्मी से ठंड से बचने की कोशिश कर रहे हैं, तब गांवों में किसान अपनी फसलों की रखवाली करते हुए पूरी रात खेतों में जागने को मजबूर हैं। उनकी यह मजबूरी कोई नई नहीं है। छुट्टा जानवरों से फसलों को बचाने की उनकी शिकायतों को लगातार नजरअंदाज किया गया जिससे उनके सामने अपनी फसलों को खुद बचाने के सिवा कोई और रास्ता भी नहीं है।

पूस की सर्द रात में किसान घोर गरीबी और व्यवस्था के बोझ तले अपने फसल की रखवाली के प्रति विवश होकर ठंड से ठिठुरता रहता है। अक्सर अपने पेट और शरीर को गरम रखने के लिए आग जलाता है, पर अंततः नीलगायों और छुट्टा जानवरों द्वारा फसल बर्बाद होने पर भी नींद और आलस्य के कारण उठ नहीं पाता। इसीलिए खेतों में मचान बनाकर अपने फसलों की रखवाली जान जोखिम में डालकर करता है। फूलपुर के ग्रामीण इलाके के किसानों के लिए पूस का महीना हमेशा से कठिन रहा है, लेकिन इस बार हालात और भी ज्यादा चुनौतीपूर्ण हैं। फसल बोने से लेकर तैयार होने तक किसान को हर कदम पर संघर्ष करना पड़ रहा है। कभी डीएपी खाद की किल्लत ने किसानों को लाइन में खड़ा कर दिया, तो कभी सिंचाई के लिए बिजली और पानी की मार झेलनी पड़ी। इन सब मुश्किलों के बाद जब फसल लहलहाने लगी, तब एक नई मुसीबत ने सिर उठा लिया नीलगाय और आवारा पशुओं का आतंक। रात ढलते ही खेतों में खतरा मंडराने लगता है। झुंड के झुंड नीलगाय और बेसहारा पशु फसलों को रौंद डालते हैं। महीनों की मेहनत, कर्ज लेकर की गई खेती और परिवार की उम्मीदें एक ही रात में बर्बाद हो सकती हैं। इसी डर से किसान रात में घर लौटने की बजाय खेतों में मचान बनाकर पहरा दे रहे हैं। किसान रामस्वरूप बताते हैं, दिनभर खेत में काम करने के बाद शरीर जवाब दे देता है, लेकिन रात में घर जाने का साहस नहीं होता। अगर एक रात भी खेत छोड़ दिया, तो फसल चौपट हो सकती है। मचान पर बैठकर अलाव जलाना, कभी टॉर्च जलाना तो कभी लाठी पीटकर पशुओं को भगाना यही उनकी रात की दिनचर्या बन गई है। इस हाड़ कंपा देने वाली ठंड में किसान सिर्फ ठंड से ही नहीं जूझ रहा, बल्कि नींद, स्वास्थ्य और सुरक्षा से भी समझौता कर रहा है। कई किसान बुजुर्ग हैं, कई युवा हैं जिनके हाथों में खेती की जिम्मेदारी है। खुले आसमान के नीचे रात बिताने से सर्दी, खांसी, बुखार जैसी बीमारियां आम हो गई हैं, लेकिन इलाज से ज्यादा जरूरी उन्हें अपनी फसल की चिंता है। महिलाएं भी पीछे नहीं हैं। कई गांवों में महिलाएं भी अपने पति और परिवार के साथ खेतों में रात गुजार रही हैं। बच्चों को घर छोड़कर माता–पिता का खेतों में पहरा देना गांव की सामाजिक तस्वीर को भी झकझोर रहा है। किसान कहते हैं कि अगर पशुओं से सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम होते, तो उन्हें इस तरह जान जोखिम में डालकर रातें नहीं काटनी पड़तीं। सरकारी योजनाओं और दावों के बीच यह सवाल खड़ा होता है कि आखिर अन्नदाता को अपनी फसल बचाने के लिए इस कदर संघर्ष क्यों करना पड़ रहा है? नीलगाय और आवारा पशुओं की बढ़ती संख्या, गोशालाओं की कमी और प्रभावी रोकथाम के अभाव ने किसानों की परेशानी को कई गुना बढ़ा दिया है। आज खेतों में जलते अलाव सिर्फ ठंड से बचने के लिए नहीं, बल्कि सिस्टम की उदासीनता के खिलाफ किसानों की खामोश गवाही भी हैं। मचान पर बैठा हर किसान इस उम्मीद में रात काट रहा है कि सुबह उसकी फसल सुरक्षित मिलेगी। यही वह जज्बा है, जो तमाम कठिनाइयों के बावजूद किसान को खेत से जोड़े हुए है। पूस की यह रातें भले ही ठंडी और लंबी हों, लेकिन किसान की उम्मीद अब भी जिंदा है कि एक दिन उसकी मेहनत को सुरक्षा और सम्मान दोनों मिलेंगे। रात में सिंचाई बनी बड़ी चुनौती नहर से सिंचाई हो या ट्यूबवेल से किसानों के लिए बड़ी चुनौती है। बिना चप्पल पानी में खड़ा रहना पड़ता है। अगर छोड़ कर हटे तो दो खतरा है। पहला कोई दूसरा किसान अपने खेत में चोरी से पानी खोल देगा। दूसरा जरूरत से ज्यादा पानी खेत में लग गया तो फसल बर्बाद होने का बड़ा खतरा रहता है। गेहूं के छोटे पौधे में 12 घंटे से अधिक पानी, सरसों में आठ घंटे, अरहर, मटर, चना आदि में छह घंटे भी पानी रुका तो फसल बर्बाद होना निश्चित है। इस लिए ठंडी में सिंचाई का निगरानी किसानों के लिए बड़ी चुनौती है। अनाज घर पहुंचाना भी किसी संघर्ष से कम नहीं फसल तैयार होने के बाद अनाज घर पहुंच जाए तब किसान राहत की सांस लेता है। फसल काटने के बाद मड़ाई तक किसान को खेत में ही रहना पड़ता है। रुदापुर के किसान अमित, बाबूगंज के रामजी पटेल आदि ने बताया कि कई बार खेत से मड़ाई के लिए रखे गेहूं, सरसों के बोझ गायब हो जाते है जिसका एफआईआर न किसान कराने जाता है और अगर पहुंचा तो पुलिस करती भी नहीं। खलिहान से गेहूं का बोझ अगर गायब हो गया तो किसान अपने आप को माफ नहीं कर पाता है। इस लिए रात भर ठंड में भी डटा रहता है। गोशाला के बावजूद सड़क से खेत तक दिखते गोवंश कान्हा गोआश्रय स्थल के अलावा बाहर सड़क से खेत तक टहल रहे है गोवंश। खेत में फसल चट कर रहे है तो सड़क पर दुर्घटना का कारण बन रहे है। कपसा, ढकपुरा, सावड़ीह, उदयीपुर, पतुलकी, कनेहटी, बहादुरगढ़, मुबारकपुर आदि कुल फूलपुर में नौ कान्हा गोआश्रय स्थल है जहां 985 पशु मौजूद हैं। गोशाला के गोपालक की मनमानी से सड़क और खेत में आवारा पशु दिखते है। बोले जिम्मेदार फूलपुर के सेहुआडीह गांव की गोशाला में पशुओं की मौत के मामले की जांच कराई जा रही है। कान्हा गोशालाओं में ठंड से बचाव के लिए इंतजाम किए जाने के निर्देश जारी किए गए हैं। यदि कहीं भी किसी प्रकार की कोई लापरवाही जिम्मेदार अधिकारियों द्वारा की जा रही है तो उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। किसानों की सिंचाई विभाग से संबंधित समस्या की जानकारी है। अभी नहर में पानी आया था। फिर कोई दिक्कत आएगी तो निराकरण किया जाएगा। कहीं कहीं एक दो छुट्टा मवेशी दिख रहे है उन्हें भी गोशालाओं में पहुंचाने का इंतजाम किया जा रहा है। –जूही प्रसाद, उप जिलाधिकारी, फूलपुर हमारी भी सुनें कान्हा गोआश्रय स्थल सरकार की किसानों के हित में अति महत्वपूर्ण योजना ही नहीं योगी बाबा का ड्रीम प्रोजेक्ट है। सरकार की सभी योजनाएं जनोपयोगी ही होती हैं। कोई भी योजना जनता के नुकसान करने के उद्देश्य से नहीं बनाई जाती। उसको व्यवहारिक रूप देना या कहे कि उसको लागू करवाना अधिकारियों की जिम्मेदारी है। अधिकारियों की मनमानी के चलते गोशाला ही नहीं कई योजनाएं भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ रहीं है। इसकी मॉनिटरिंग होनी चाहिए। –अभिशांत पांडेय, युवा किसान, बेरूई जब चुनाव आता है तो सभी पार्टी के नेता ऐसा वादा करते हैं जैसे सरकार बनाने के बाद पहला काम किसानों को धनकुबेर बना देंगे। लेकिन जैसे ही शपथ ग्रहण हुआ किसानों के भविष्य पर ग्रहण लगना शुरू हो जाता है। सरकारें किसानों की भलाई के लिए बनती है। भोले भाले किसानों से वोट लेने के बाद उन्हें बाजारवाद के हवाले कर देते है। डीएपी के लिए लाइन से लेकर कही कही पुलिस की लाठी तक, उसके बात मिलावटी बीज, कीटनाशक के लिए चक्कर काटते हैं। –जगदीश नारायण तिवारी, किसान, रुदापुर इस महंगाई में खाद, पानी, बीज, जुताई, कीटनाशक से फसल लहलहाई तो आवारा पशुओं और नील गाय से बचाना बड़ी चुनौती है। इतना पैसा तो हर किसान के पास नहीं है कि बाड़ बनवाएं, कुछ नहीं मिला तो घर की पुरानी साड़ी निकाल कर बड़ा बना दिया। बताया कि दस बिस्वा खेत के लिए केवल दो तरफ से घेरा बनाने में 18 साड़ी लगी है। इतनी ही और चाहिए। इसमें तीन साड़ी नई है। फसल काटने के बाद फिर धुल कर पहने के काम आ जाएगी। –मिथिलेश कुमारी, चन्दौकी, फूलपुर गांव में गोशाला होना दुर्भाग्य है। परेशान किसान अलग अलग गांव से पशु लेकर आते है। गोशाल वाले अगर नहीं लिए तो हताश किसान उन जानवरों को वापस अपने साथ नहीं ले जाते। वो गोशाला के बाहर या कुछ दूर ले जाकर छोड़ देते है। वो आवारा पशु गांव के आस पास बागों में डेरा जामा लेते है। ये झुंड रात विरात जिस किसान के खेत में पहुंच गए उस किसान का भविष्य बर्बाद कर देते है। –लोक बहादुर गोंड, किसान, अमोलवा ठंड उनके लिए है जो घर में है। हमारा क्या ठंड हो, गर्मी हो, बरसात हो, बिजली कड़कती हो, ओला गिरता हो इन प्राकृतिक आपदाओं पर भारी पड़ता है आवारा पशुओं और नील गायों का आतंक। इनसे फसल को बचाना है तो भीषण ठंडी और कोहरा नहीं अपनी फसल और उसकी सुरक्षा ही दिखाई दे रही है। पूस या माघ का महीना मायने नहीं रखता। –अवधेश यादव, किसान, दरियापुर गोशाला बनाई तो गई लेकिन वहां भी पशुओं को भरपेट भूसा, हरा चारा, चुनी चोकर नहीं मिल पा रहा है। कुछ गोशाल छोड़ दिया जाय तो अधिकांश पर भूसा, चुनी चोकर अधिकारियों को दिखाना और अभिलेखों में दर्ज होने तक सीमित है वो पशुओं तक नहीं पहुंच पा रहा है।

माघ मेला: पेड़–पौधे से जीवन के जुड़ाव का संदेश दे रहे राम बाहुबली, एक लाख किमी. साइकिल चलाने का दावा

प्रयागराज। बाहुबली दास महाराज के अनुसार, वह साइकिल यात्रा के दौरान एक दिन में पांच विद्यालयोंमें जाते हैं। वहां विद्यार्थियों को एकत्रित कर पेड़–पौधों का जीवन में महत्व बताते हैं।

पर्यावरण संरक्षण के लिए मेले में पहुंचे राम बाहुबली दास महाराज श्रद्धालुओं को पौधे लगाने और बच्चों की तरह उनकी देखभाल करने के लिए प्रेरित कर रहे हैं। उनका दावा है कि इस संकल्प को लेकर वह अब तक करीब एक लाख किमी साइकिल चला चुके हैं। पौधरोपण के जरिये प्रकृति को बचाने की इस मुहिम के तहत वह देश के लगभग सभी राज्यों का भ्रमण कर चुके हैं। मेले में वह पेड़–पौधों से जीवन के जुड़ाव का संदेश देकर श्रद्धालुओं को सिंदूर, कपूर और तेजपत्ता समेत अन्य औषधीय गुणों वाले पौधे भी बांट रहे हैं।

अरुणाचल प्रदेश स्थित परशुराम कुंड के महेंद्रांचल

पर्वत पर धूनी रमाने वाले बाहुबली दास महाराज की साइकिल यात्रा 'प्रकृति से परमात्मा की ओर...' नेपाल के लुंबिनी से पहुंची है। मूल रूप से सोनभद्र निवासी बाबा कई वर्षों तक अरुणाचल प्रदेश में आदिवासियों के बीच रहे। वहीं, साधना के दौरान पर्यावरण प्रेमी ज्ञान स्वरूप सदानंद (जीडी अग्रवाल) से प्रेरित होकर भक्ति के साथ पर्यावरण संरक्षण का संकल्प लिया। गुरु बालक दास के आशीर्वाद से वह साइकिल से घूम–घूमकर लोगों को एक पौधा देकर उसे रोपने और बचाने का संकल्प दिलाते हैं। मेले में वह संगम लोअर मार्ग पर शास्त्री पुल के पास देवराहा बाबा न्यास मंच के शिविर में हैं। बाहुबली दास महाराज के मुताबिक, वह साइकिल यात्रा के दौरान एक दिन में पांच स्कूलों में जाते हैं। वहां छात्रों को एकत्रित कर पेड़–पौधों का जीवन में महत्व बताते हैं। उनका कहना है कि हम बाहर ऊर्जा खोजते हैं जो पेड़–पौधों के रूप में हमारे सामने हैं। स्कूल में बच्चों संग एक पौधा लगाकर सभी को 10–10 पौधे लगाने और बचाने की शपथ दिलाते हैं।

निशुल्क बांट रहे औषधीय गुणों वाले पौधे

बाहुबली दास महाराज को सत्संग और यात्रा के दौरान जो रकम दान में मिलती है, उससे वह औषधीय गुणों वाले पौधे खरीदकर बांटते हैं। यदि कहीं ये पौधे नहीं मिलते तो नीम, पीपल, आम, बरगद, बेल आदि के पौधे रोपते हैं। बाबा बताते हैं कि मुख्य स्नान पर्वों पर तेजपत्ता, सिंदूर और कपूर के पौधे श्रद्धालुओं को वितरित करेंगे। इसके लिए करीब 10,000 पौधे मंगाए हैं। जो पौधे वह बांटेंगे उनमें एक पौधे की कीमत 100 रुपये से अधिक है।

भेड़ पालकों की आमदनी घटी तो काम से होने लगे दूर

प्रयागराज। समय के साथ भेड़ पालकों की आमदनी कम हो गई है। पहले 60 से 65 रुपये में खरीदा जाने वाला ऊन अब 35 रुपये प्रति किलो तक पहुंच गया है। ऐसे में लोगों इस व्यवसाय से किनारा करने लगे हैं। खेतों और खाली मैदानों में भेड़ों को चराते भेड़ पालकों की तस्वीरें आज भी ग्रामीण जीवन की पहचान हैं लेकिन इसके पीछे छिपा सच चिंता बढ़ाने वाला है।

क्षेत्र में भेड़ों के ऊन के दाम में भारी गिरावट आने से भेड़ पालकों की आमदनी लगातार कम होती जा रही है। बहरिया में भेड़ पालन करने वाले किसानों से भदोही के व्यापारी आकर ऊन कटवाते थे और 60द्65 रुपये प्रति किलो तक कीमत देते थे। वर्तमान समय में उन्हें ऊन कटवाने के लिए करीब 35 रुपये प्रति किलो ही मिल रहा है। बहरिया के धमौर गांव निवासी छेदीलाल पाल बताते हैं कि पहले गांव में भेड़ पालकों की संख्या काफी अधिक थी लेकिन अब लोग यह काम छोड़ रहे हैं। उनके पास वर्तमान में लगभग 50 भेड़ हैं, जिन्हें चराने के लिए दूर–दराज के खेतों और मैदानों तक जाना पड़ता है। उन्होंने बताया कि करीब दस साल पहले एक भेड़ की कीमत लगभग 6000 तक थी, जो अब घटकर करीब 4000 रह गई है। सुबह से शाम तक खेतों में भटकते हैं, लेकिन आमदनी लगातार घट रही है। भेड़ पालकों ने सरकार से ऊन और भेड़ों के दाम बढ़ाने तथा भेड़ पालन को प्रोत्साहन देने की मांग की है।

तीन के खिलाफ दहेज उत्पीड़न की एफआईआर दर्ज

प्रयागराज। उतरांव थाना क्षेत्र की एक विवाहिता ने दहेज उत्पीड़न के आरोप में एफआईआर दर्ज कराई है। बिरगापुर गांव निवासी अशोक मिश्रा ने बेटी कल्पना की शादी सराय ममरेज थाना क्षेत्र के पूरे रुदई गांव निवासी जटाशंकर के बेटे राहुल पांडेय के साथ की थी। आरोप है कि ससुरालियों ने दहेज में दो लाख रुपये नकद एवं एक भैंस की मांग करने लगे। विवाहिता के इनकार करने पर आरोपियों ने उसके साथ मारपीट क। विवाहिता ने इसकी शिकायत थाना सराय ममरेज में की लेकिन कोई सुनवाई नहीं हुई। इसके बाद उसने पुलिस आयुक्त प्रयागराज को आपबीती बताई। पुलिस आयुक्त के आदेश पर पुलिस ने पति राहुल पांडेय, देवर शुभम, देवरानी उजाला के खिलाफ एफआईआर दर्ज की है।

तिहरे हत्याकांड के बाद गांव में सन्नाटा

प्रयागराज। क्षेत्र के लोकापुर बिसानी गांव में हुए तिहरे हत्याकांड के बाद से गांव में सन्नाटा है। ग्रामीण मामले में कुछ भी बोलने से कतरा रहे है। बता दें कि दो जनवरी की रात गांव के राम सिंह (55) उसकी पुत्री साधना (24), नातिन आस्था (14) को राम सिंह के बड़े बेटे मुकेश ने संपत्ति के विवाद में हत्या कर दी थी। पांच जनवरी को मुकेश की गिरफ्तारी के बाद पता चला कि उसने परिवारवालों की हत्या कर दी है। घटना के बाद से ही गांव में सन्नाटा छाया हुआ है। इधर, गांव क महिलाएं शांति देवी, मोनिका देवी और प्रभावती आदि का कहना था कि यदि राम सिंह मुकेश को दस बिस्वा जमीन दे देता तो आज कुछ न होता। परिवार उजड गया। सब कुछ बर्बाद हो गया।

मुकुंद लाल पोस्टमार्टम के बाद से अपनी बहन किरन देवी निवासी दिवैनी मानधाता, प्रतापगढ़ चला गया। बुधवार को उसने बहन किरन देवी के साथ मऊआइमा थाने में कहा था कि हत्यारोपी मुकेश कुमार की पत्नी प्रमिला देवी घटना वाले दिन से फरार है। मुकुंद लाल का आरोप है कि घटना में प्रमिला देवी बराबर की शामिल है। मुकुंद लाल का आरोप था कि जब तक प्रमिला नहीं पकडी जाती, वह गांव नहीं जाएगा। इस संबंध में इंस्पेक्टर मऊआइमा का कहना है कि प्रमिला की तलाश जारी है। पकड़े जाने पर उसकी भूमिका की जांच होगी।

जमीन के विवाद में मारपीट, कई घायल

प्रयागराज। थाना क्षेत्र के अकोढ़ा गांव में जमीन के विवाद में मारपीट हो गई। पीड़ित ने पुलिस से शिकायत की है। गांव निवासी कृष्ण बिहारी तिवारी का आरोप है कि बुधवार की शाम उनकी जमीन पर जबरन कब्जा करने की नीयत से पड़ोसी गांव सहलोलवा थाना करछना के कई लोग उनके खेत पहुंचे। इस दौरान आरोपियों ने उनके साथ मारपीट की। थाना प्रभारी कुलदीप शर्मा ने बताया कि आरोपियों जितेंद्र पटेल, श्याम बाबू पटेल, आकाश पटेल, राहुल, बृजेश, जिलाजीत, राजू पटेल व एक अज्ञात के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई है।

एसीपी कौंधियारा ने लूट मामले की जांच की

प्रयागराज। जसरा बाजार में बुधवार की दोपहर किसान से हुई एक लाख रुपये लूट के मामले में बृहस्पतिवार को एसीपी कौंधियारा अब्दुस सलाम खान घटनास्थल पर पहुंचे। उन्होंने सीसीटीवी कैमरे से भी आरोपी के पहचान करने का प्रयास किया। बुधवार की दोपहर जसरा बाजार में सेंधुवार गांव निवासी किसान जगदंबा पटेल के साथ एक लाख रुपये की लूट आई थी। बृहस्पतिवार को प्रार्थना पत्र पर पुलिस ने प्राथमिकी दर्ज की।

संक्षिप्त

अमित शाह-पीएम मोदी ने ईडी-सीबीआई को तोते की तरह रखा, जहां चुनाव होता...पिंजड़ा खोल देते हैं: अजय राय

लखनऊ, संवाददाता। उत्तर प्रदेश कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष अजय राय ने कोलकाता में I-PAC ऑफिस पर ED की छापेमारी और TMC प्रोटेस्ट पर भाजपा को घेरा। उन्होंने लखनऊ में कहा, अमित शाह और पीएम मोदी तोते की तरह ED और CBI को रखे हैं। जहां चुनाव होता है, वहां वे पिंजड़ा खोलकर तोता उड़ा देते हैं। ममता बनर्जी ने वहां दबाव बनाया है। निश्चित वहां अपने लोगों के साथ खड़ा होना चाहिए। कहा था–ब्राह्मण समाज के लोगों के फर्जी एनकाउंटर किए जा रहे कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष अजय राय ने कहा कि भाजपा सरकार में ब्राह्मण समाज के लोगों के फर्जी एनकाउंटर किए जा रहे हैं। करीब 10 साल में 1700 से अधिक ब्राह्मणों की हत्या की गई है। वह बृहस्पतिवार (8 जनवरी) को अखिल भारतीय ब्राह्मण महासभा की ओर से आयोजित कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। लखनऊ के ठाकुरगंज ढिग मंडी चौराहे पर स्थित बाबा गोमती दास स्थल पर आयोजित कार्यक्रम में कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष अजय राय ने प्रदेश सरकार पर ब्राह्मण समाज की अनदेखी का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस की सत्ता में ब्राह्मण समाज के लोगों को मुख्यमंत्री बनाया जाता था, लेकिन भाजपा सिर्फ समाज का वोट ले रही है। मौके पर मौजूद लोगों ने प्रदेश अध्यक्ष का स्वागत किया।

तैयारियां न होने से रोजगार मेला आगे बढ़ा, कौशल विकास विभाग की ओर से लखनऊ में होना था आयोजित

लखनऊ, संवाददाता। उत्तर प्रदेश कौशल विकास विभाग की ओर से प्रस्तावित रोजगार मेले को फिलहाल पोस्टपोन कर दिया गया है विभाग के अधिकारियों ने बताया कि अगली तिथि निर्धारित कर युवाओं को जानकारी दी जाएगी। राजधानी के इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में शुक्रवार यानी 9 जनवरी को रोजगार मेला आयोजित होना था। इसी के साथ ही अन्य मंडलों में भी अलग–अलग तिथियां निर्धारित की गई थी। हालांकि विभाग ने भौतिक तैयारी न होने की वजह से इसे आगामी तिथि तक पोस्टपोंड किया है। विभाग के अधिकारियों ने बताया कि रोजगार मेले में प्रदेश की 50 से अधिक कंपनियां शामिल होनी थी इसमें 2500 से अधिक बच्चों को रोजगार से जोड़ने की पहल की गई है। विभाग की ओर से अंतिम तैयारियां होने के बाद युवाओं को जानकारी दी जाएगी।

लखनऊ में स्ट्रीट डिजाइन की तैयारी, प्रदेश का पहला जिला बनेगा, फरवरी में होगा इंटरनेशनल फ्लावर शो

लखनऊ, संवाददाता। लखनऊ नगर निगम में अहमदाबाद की तर्ज पर इंटरनेशनल फ्लावर शो का आयोजन किया जाएगा। फरवरी में नगर निगम इसका आयोजन करेगा। यह फेस्टिवल लखनऊ की जनता के लिए खास होगा। यहां पर 100 से अधिक फूलों की प्रजाति मौजूद रहेगी। लोग यहां परिवार के साथ में सैर कर सकेंगे। शहर में अहमदाबाद की तर्ज पर यूपी में पहली बार लखनऊ में स्ट्रीट डिजाइन की तैयारी है। इससे स्ट्रीट सुंदर बनेंगे। जाम से निजात मिलेगा। नगर निगम की तरफ से स्ट्रीट डिजाइन की तैयारी है। इसमें अवैध होर्डिंग्स से शहर को पूरी तरह निजात दिलाने के लिए कम होगा। आकर्षक तरीके से स्ट्रीट को बनाया जाएगा। नगर आयुक्त गौरव कुमार ने बताया कि शासन की तरफ से इसको लेकर यूनीपोल का टेंडर 15 साल तक किया जा रहा है। इसकी गाइडलाइन आने के बाद इसी पर काम किया जाएगा। उन्होंने कहा कि इससे शहर सुंदर बनेगा और अवैध होर्डिंग्स से निजात मिलेगी। जबकि, अभी इसका टेंडर दो साल के लिए होता है। ऐसे में कॉन्ट्रैक्टर अच्छा इन्फ्रास्ट्रक्चर बनाने पर जोर नहीं देता। अभी शहर में एक समय में वैध रूप से घरों के ऊपर 1250, 380 यूनीपोल, 30 LED लगने की अनुमति है। हजरतगंज, पुराने लखनऊ गोमतीनगर, अमौसी, कृष्णानगर, महानगर सहित शहर के सभी हिस्सों में 2 हजार से अधिक अवैध होर्डिंग्स लगी हुई हैं। नगर निगम का 60 सदस्यीय प्रतिनिधि मंडल गुजरात दौरे पर गया हुआ है। इसमें कुछ अधिकारी वापस लौट आए हैं, जबकि मेयर और पार्षद अभी भी दौरे पर हैं। 11 जनवरी को इनके वापस लौटने के बाद फ्लावर शो की डेट फिक्स की जाएगी। स्ट्रीट डिजाइन के नियम से संबंधित फैसला भी आगामी कार्यकारिणी बैठक और सदन में रखने की तैयारी है। वेस्ट टू एनर्जी प्लांट का संचालन भी नगर निगम जल्द शुरू करने की तैयारी में है। अहमदाबाद नगर निगम में दौरे के दौरान विकास कार्यों और नगरीय व्यवस्था में ये काम ऐसे हैं जो लखनऊ में सबसे पहले लागू किए जाएंगे। अहमदाबाद में नालों और नालियों में कचरा फेंकने की समस्या नहीं है। वहां सीवर और ड्रेनेज (बारिश का पानी) के लिए अलग–अलग सिस्टम है। नाले ढके हुए हैं। लखनऊ में भी ड्रेनेज और सीवर लाइन को अलग करने और नालों को कवर करने का दावा बीते लंबे समय से किया जा रहा है। कार्यकारिणी और सदन में भी यह पास किया गया है,लेकिन इसपर अमल नहीं हो सका है। अब फिर से नालों को कवर करने का दावा नगर निगम के अधिकारी कर रहे, लेकिन साथ ही बजट न होने की बात भी दोहरा रहे हैं। नगर निगम का प्रतिनिधिमंडल गुजरात में विकास कार्यों, सौर ऊर्जा, साफ–सफाई, कूड़ा निस्तारण और अन्य नगरीय व्यवस्थाओं के मॉडल का अध्ययन कर रहा।

कुछ गाती–लिखती हूं तो मुझे गुंडा कहा जाता है : नेहा सिंह

लखनऊ, संवाददाता। मैंने कभी संविधान नहीं तोड़ा। सारे नियम माने। जो कुछ भी बोला, हर बात के लिए खुद ही जिम्मेदार हूं। सवाल उठाने से ही नोटिस पहुंच जाता है। नोटिस के बाद जब कोतवाली जाओ तो समाज में तमाम बातें उठने लगती हैं। हमारे समाज के लोग ही कहने लगते हैं कि जरूर इसने कुछ किया होगा। उन्हें नहीं पता होता कि नोटिस क्या है। यह कहना है लोक गायिका नेहा सिंह राठौर का। नेहा कहती हैं कि हमारे प्रधानमंत्री बड़े पावरफुल हैं, उन्हें बांग्लादेश में हिंदुओं की हत्या रुकवानी चाहिए। नेहा ने कहा कि मैं कुछ गाती हूं, लिखती हूं तो मुझे गुंडा कहा जाता है। दरअसल, उनकी गिरफ्तारी या हिरासत के लिए सुप्रीम कोर्ट ने 7 जनवरी को रोक लगा दी। यह राहत मिली तो हमेशा मुखर रहने वाली नेहा से दैनिक भास्कर डिजिटल ने बात की। बातचीत में उन्होंने सोशल मीडिया पोस्ट, प्रधानमंत्री से पूछे गए सवालों, उत्तर प्रदेश की कानून व्यवस्था, बांग्लादेश में हिंदुओं पर हो रहे हमलों और अपने खिलाफ बने माहौल पर बोला।

'कैकेयी वरदान' (रामलीला) की भावपूर्ण प्रस्तुति

प्रयागराज। माघमेला क्षेत्र के सेक्टर 6 में शुक्रवार सायं 6 बजे संस्था 'द थर्ड बेल' की ओर से ध्वनि एवं प्रकाश के माध्यम से 'कैकेयी वरदान' का मंचन श्री शालीग्राम महराज जी के पंडाल में किया गया। नाटक में रामकथा के उस निर्णायक प्रसंग को प्रभावी ढंग से प्रस्तुत किया गया, जिसने अयोध्या के इतिहास की दिशा बदल दी थी।

नाटक की कथा में मंथरा द्वारा रानी कैकेयी को राजा दशरथ से मिले दो वरदानों की याद दिलाई जाती है और उन्हें उन्हें माँगने के लिए प्रेरित किया जाता है। मंथरा के उकसावे पर कैकेयी कोपभवन चली जाती हैं। राजा दशरथ के वहाँ पहुँचने पर कैकेयी अपने दोनों वरदान माँगती हैंकृजिसके अंतर्गत श्रीराम को 14 वर्षों के वनवास तथा भरत को राज्याभिषेक की माँग रखी जाती है।

इस प्रसंग का मंचन अत्यंत संवेदनशीलता और प्रभाव के साथ किया गया।प्रस्तुति ने दर्शकों को आरंभ से अंत तक भावनात्मक रूप से बाँधे रखा। राजा दशरथ की भूमिका में अतुल कुशवाहा ने एक विवश और पीड़ित पिता के भाव को सजीव किया। रानी कैकेयी के पात्र में ऋतिका अवस्थी ने भावनात्मक द्वंद्व को प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत किया। इसलिए नाटक की विशेषता ये रहीं कि मंथरा की भूमिका एक पुरुष अभिनेता रोहित बाजपेई ने निभाई।

श्रीराम की भूमिका में शिवांक द्विवेदी ने मर्यादा और संयम का सुंदर चित्रण किया। आर्य सुमंत के रूप में निमिष गुप्ता तथा सहयोगी भूमिका में विवेकानंद पांडेय,जूली ब्रिज ने भी सशक्त अभिनय किया।

इसलिए रामलीला का निर्देशन वरिष्ठ रंग निर्देशक आलोक नायर ने किया,जिनका निर्देशन सहयोग प्रस्तुति को सुदृढ़ बनाने में महत्वपूर्ण रहा। नाटक का संगीत संयोजन रवींद्र वर्मा द्वारा किया गया, जिसने दृश्य और भाव को और प्रभावी बनाया। मंच सामग्री एवं व्यवस्थाओं की जिम्मेदारी रवि कौसोधन ने कुशलतापूर्वक निभाई।

प्रस्तुति के दौरान माघमेला क्षेत्र में उपस्थित श्रद्धालु दर्शकों की अच्छी–खासी भीड़ देखने को मिली। नाटक समाप्त होने पर दर्शकों ने कलाकारों का तालियों से उत्साहवर्धन किया।

संस्था 'द थर्ड बेल' का ये प्रयास है कि इस माघ मेले के आयोजन में रामलीला की निरंतर प्रस्तुति होती रहे जिससे श्रद्धालु भक्त दर्शकों को रामायण के द्वारा सीख मिल सके तथा यह प्रस्तुति माघमेला के सांस्कृतिक कार्यक्रमों में एक उल्लेखनीय आयोजन सिद्ध हो।

बारिश होती एक सी

(कुण्डलिया)

'शतपत्री' संस्कृत कहे, उर्दू कहे गुलाब।
तमिल 'इशारा' कह उसे, कहता पुष्प–नवाब।
कहता पुष्प–नवाब, 'रोज' कहकर अंग्रेजी।
बंगाली 'गोलोप्श, कह रहे 'रोजा' रूसी।
सुन लो कहें प्रदीप, फूल में बन गायत्री।
रंगों को दे अर्थ, महक भरता 'शतपत्री'

जापानी 'बाराश कहें, डच कहते हैं 'रूज़'।
थाई 'दोक कुलाबश कह, करें सदा महफूज़'।
करें सदा महफूज़, फिनिश 'रुसु' कहता जिसको।
'रोडोश कहकर ग्रीक, बखाने जग में उसको।
सुन लो कहें प्रदीप,कहें 'रोजा' सब रूसी।
हिन्दी नाम 'गुलाब', बताते हैं जपानी।।

डॉ. प्रदीप चित्रांशी
लूकरगंज, प्रयागराज

देर रात पालिकाध्यक्ष मीनाक्षी स्वरूप का छापाः वार्ड 3 में बिना सरिया डाले ठेकेदार ने बना दिया 30 मीटर नाला

एई पीडब्ल्यूडी से कराई जांच, ठेकेदार के खिलाफ कार्यवाही के निर्देश, भुगतान पर तत्काल रोक, एई-जेई को नोटिस देकर मांगा स्पष्टीकरण

मुजफ्फरनगर। सुजड़ू रोड स्थित वार्ड संख्या तीन में नगरपालिका परिषद द्वारा कराए जा रहे आरसीसी नाला निर्माण कार्य में ठेकेदार की मनमानी और गंभीर लापरवाही के साथ ही मानकों और शर्तों का उल्लंघन कर बरती गई अनियमितता का बड़ा मामला सामने आया है। क्षेत्रवासियों की लगातार मिल रही शिकायतों को गंभीरता से लेते हुए नगरपालिका परिषद की अध्यक्ष मीनाक्षी स्वरूप ने गुरुवार देर रात अचानक स्थल पर पूरे लाव लश्कर के साथ छापामार निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान हुई तकनीकी जांच में जो सच्चाई सामने आई, उसने निर्माण विभाग की कार्यशैली पर भी प्रश्नचिह्न खड़े कर दिए।

देर रात जब पालिकाध्यक्ष मीनाक्षी स्वरूप मौके पर पहुंचीं तो लोगों ने उनको यहां नाला निर्माण में बरती जा रही अनियमितता की शिकायत की। मीनाक्षी स्वरूप ने मजदूर लगाकर निर्माण सामग्री को खुदवाया और तैयार किये गये नाले की दीवारों को जेसीबी मशीन से उखड़वाकर तकनीकी जांच मौके पर ही कराई गई, इसमें पाया गया कि ठेकेदार द्वारा लगभग 30 मीटर लंबाई तक नाले की बनाई गई आरसीसी की दीवारों में सरिया ही नहीं डाला गया था। इसके अलावा जहां लाल रोडी डालकर बिस्तर तैयार होना चाहिए था, वहां सीधे मिट्टी पर ही आरसीसी डालकर नाला तैयार करने की कोशिश की जा रही थी। निर्माण सामग्री भी अत्यंत निम्न गुणवत्ता की पाई गई।

पालिका अध्यक्ष द्वारा मौके पर ही बुलाए गए इंजीनियरों की टीम ने तकनीकी परीक्षण किया, जिसमें आरसीसी संरचना में मानकों के अनुरूप सरिया का न होना और सामग्री की गुणवत्ता असंतोषजनक पाई गई। गंभीर अनियमितताओं के सामने आने पर पालिकाध्यक्ष मीनाक्षी स्वरूप ने मौके पर ही ठेकेदार फर्म मै. संजय कुमार कॉन्ट्रैक्टर के प्रोपराइटर संजय कुमार पुत्र सत्यप्रकाश निवासी साकेत कालोनी को कड़ी फटकार लगाई। उन्होंने अधिशासी अधिकारी डॉ. प्रज्ञा सिंह को तत्काल मामले की जांच कर विस्तृत रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिए। इतना ही नहीं, पालिकाध्यक्ष ने निर्माण विभाग

के एई और जेई की भी लापरवाही पर कठोर रुख अपनाते हुए दोनों अधिकारियों को नोटिस जारी कर स्पष्टीकरण मांगा है। अध्यक्ष ने स्पष्ट कहा कि मानकविहीन कार्य किसी भी स्तर पर बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। पालिकाध्यक्ष मीनाक्षी स्वरूप ने बताया कि नाला निर्माण में गंभीर अनियमितता सामने आई है। ठेकेदार का भुगतान रोकने, विस्तृत जांच कराये जाने के साथ ही ठेकेदार फर्म द्वारा नगर के विभिन्न स्थानों पर कराए गए अन्य निर्माण कार्यों की गुणवत्ता को लेकर भी संदेह जताया गया। हमने लोक निर्माण विभाग के एक्सईएन को पत्र लिखकर निर्देश दिए हैं कि ठेकेदार फर्म द्वारा कराये गये सभी संबंधित कार्यों की जांच लोक निर्माण विभाग के सहायक अभियंता से कराई जाए। अधिशासी अधिकारी डॉ. प्रज्ञा सिंह ने बताया कि उक्त नाला निर्माण कार्य 15वें वित्त आयोग के अंतर्गत प्राप्त निधि से खालापार–सूजड़ू सम्पर्क मार्ग पर हीरा डेरी से जायका फास्ट फूड तक कराया जा रहा है। ठेकेदार को 22 नवंबर 2025 को छह माह की समयावधि के साथ गुणवत्ता–परक निर्माण का आदेश दिया गया था, परंतु मौके पर सभी मानकों की धज्जियां उड़ाई गईं। एई और जेई द्वारा मौके पर निरीक्षण न करना, निर्माण की गुणवत्ता की जांच न करना और पालिकाध्यक्ष के निर्देशों की अनदेखी करना भी गंभीर लापरवाही मानी जा रही है। इसको लेकर पालिकाध्यक्ष के दिशा निर्देश के अनुसार कार्यवाही कराई जा रही है। वर्तमान में पालिका के निर्माण विभाग के द्वारा कराये जा रहे नाला निर्माण की तकनीकी जांच कराने का निर्णय लिया गया है। इसके लिए एई लोक निर्माण विभाग कामेश्वर सिंह से जांच कराई जायेगी। इस कार्रवाई से भविष्य में मानकविहीन निर्माण कार्यों पर अंकुश लगेगा और पारदर्शिता बढ़ेगी।

वर्षों बाद एकजुट होकर संघर्ष करेंगी आंगनबाड़ी कार्यकर्ता

जिलाधिकारी के माध्यम से सीएम को 29 को ज्ञापन कार्यक्रम

लखनऊ, संवाददाता। सालों बाद एकजुट हुई आंगनबाड़ी कार्यकर्ता के चारों संगठन अब एकजुट होकर अपनी मांगों को लेकर संघर्ष करेंगें। राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद कार्यालय महात्मा गांधी मार्ग लखनऊ में आयोजित बैठक में आंगनबाड़ी के चारों संगठन के शीर्ष नेतृत्व ने यह निर्णय लिया है। बैठक में संयुक्त मोर्चा में नीलम पाण्डेय महामंत्री महिला आंगनबाड़ी कर्मचारी संघ के शामिल होने पर उनका आभार एवं धन्यवाद ज्ञापित किया गया। बैठक में अन्य संगठनों के शीर्ष पदाधिकारियों ने मोर्चे में उनके शामिल होने पर मोर्चे के और मजबूत एवं संघर्षशील रूप से कार्य करने इरादा जताया। बैठक में निर्णय लिया गया कि प्रदेश की आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं की मांगों की पूर्ति के लिए प्रत्येक जनपद में 29 जनवरी 26 को जिलाधिकारी के माध्यम से मुख्यमंत्री को ज्ञापन भेजा जाएगा। बैठक में मोर्चे के शीर्ष पदाधिकारी गीतांजलि मौर्य, शशिबाला, सुषमा कुरील, नीलम पाण्डेय, रामादेवी, अनूप मिश्रा, मिथलेश चौधरी,

हीरावती, माया, कल्पना सिंह, कंचन राय, राजेश शर्मा, ज्योत्सना, अमरेन्द्र सिंह की उपस्थिति में आंगनबाड़ी संयुक्त मोर्चा की बैठक में 10 सूत्रीय मांग पर विचार विमर्श किया गया। बैठक में इस बात पर चिन्ता जताई गई की लगातार पत्राचार और संकेतिक प्रदर्शन के बावजूद आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं की समस्याओं का निराकरण नही हो पा रहा है। बैठक में कहा गया कि लगभग पचास वर्षो के कार्यकाल में यह ऐसा मौका है जब अलग अलग आंगनबाड़ी संगठन एक बैनर तले आ गए है। अब मौका है कि आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं की समस्याओं के निराकरण के लिए एकजुट होकर संघर्ष किया जाए। बैठक में आंगनबाड़ी कार्यकर्ता को पूर्ण कालिक राज्य कर्मचारी का दर्जा, सुप्रीम कोर्ट के निर्णयानुसार पेंशन और ग्रेच्युटी, सेवानिवृत्त आयु 65 वर्ष, मुख्य सेविका और सहायिकाओं के पदों पर पदोन्नति सहित महत्वपूर्ण मांगों पर चर्चा की गई।

केजीएमयू में जबरदस्ती घुसे अपर्णा यादव के समर्थक, जय श्रीराम के नारे लगाए

लखनऊ, संवाददाता। लखनऊ में महिला आयोग की उपाध्यक्ष अपर्णा यादव शुक्रवार केजीएमयू पहुंच गईं। यहां पहुंचने पर वीसी डॉ. सोनिया नित्यानंद का चैंबर बंद मिला। काफी देर तक चैंबर नहीं खुला तो अपर्णा यादव के साथ पहुंचे समर्थकों ने हंगामा शुरू कर दिया। अपर्णा के समर्थकों और कार्यकर्ताओं ने वीसी का गेट पीटना शुरू किया। इस हंगामे के दौरान श्रीराम के जयकारे लगाते रहे। लव जिहाद के आरोपी डॉ. रमीजुद्दीन के खिलाफ मुर्दाबाद के नारे भी लगाए। काफी देर तक हंगामे के बाद गेट जबरदस्ती ठेलकर घुस गए जिससे उसकी सिटकनी टूट गई। बता दें कि केजीएमयू लव जिहाद और धर्मांतरण प्रकरण में अपर्णा प्रेस कॉन्फ्रेंस करने पहुंचीं। इससे पहले यह प्रेस कॉन्फ्रेंस महिला आयोग के ऑफिस में होने वाली थी। अचानक उन्होंने प्लान बदला और समर्थकों को लेकर केजीएमयू पहुंच गईं। इसके पहले वीसी डॉ. सोनिया नित्यानंद ने दोपहर 12 बजे इसी प्रकरण में प्रेस कॉन्फ्रेंस की थी। अपर्णा यादव के जाने के बाद ट्रसोनिया नित्यानंद उसी हॉल में सभी डॉक्टरों के साथ आईं। उन्होंने नाराजगी व्यक्त की। कहा ऐसे माहौल में काम करना नामुमकिन है।

महिला का अर्धनग्न शव मिला, हत्या की आशंका

लखनऊ, संवाददाता। राजधानी के बंथरा थाना क्षेत्र में शुक्रवार सुबह एक अज्ञात अधेड़ महिला का अर्धनग्न शव मिला। शव नरायनपुर–फतेहगंज रोड किनारे अमावा जंगल में एक पुलिया के पास सुनसान जगह पर पड़ा था। स्थानीय लोगों की सूचना पर बंथरा पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया। मृतका की उम्र लगभग 50 वर्ष आंकी जा रही है। उसके चेहरे और माथे पर चोट के निशान थे। महिला के बाएं पैर का पंजा गायब था, जिसे जंगली जानवरों द्वारा खाए जाने की आशंका जताई जा रही है। महिला ने लाल रंग का जैकेट पहना हुआ था और उसके ऊपर एक कंबल पड़ा था। शरीर के निचले हिस्से में पहना गेरुआ रंग का पेटीकोट अस्त–व्यस्त हालत में था। शव के पास कुछ दूरी पर एक झोले में खाना और शराब का पाउच भी मिला। घटनास्थल पर एक टोपी और टूटी हुई चूड़ियां भी पड़ी थीं। बंथरा प्रभारी निरीक्षक राणा राजेश सिंह ने बताया कि महिला मंदबुद्धि या मानसिक रूप से विक्षिप्त प्रतीत होती है। प्रथम दृष्टया यह मामला किसी अज्ञात वाहन की टक्कर का लग रहा है। हालांकि, पुलिस हत्या सहित सभी पहलुओं को ध्यान में रखते हुए जांच कर रही है। पुलिस ने आसपास के लोगों को बुलाकर मृतका की पहचान कराने का प्रयास किया, लेकिन अभी तक उसकी शिनाख्त नहीं हो सकी है।

स्पा सेंटर में लगी आग, सामान जलकर राख

लखनऊ, संवाददाता। राजधानी लखनऊ के सुशांत गोल्फ सिटी स्थित मिलेनियम पैलेस बिल्डिंग के सेकंड फ्लोर पर स्पा सेंटर में आग लग गई है। आग लगने से सैलून का पूरा सामान जलकर राख हो गया। सूचना पर पहुंची फायर ब्रिगेड की टीम ने करीब 30 मिनट में आग पर काबू पाया। आग लगने का कारण शॉर्टसर्किट बताया जा रहा है। एफएसओ माम चंद बड़गुजर ने बताया कि देर रात 2.00 बजे कंट्रोल रूम पर आग लगने की सूचना आई।

विधवा महिला से हैवानियत, मकान मालिक पर नशीली कॉफी पिलाकर दुष्कर्म, ब्लैकमेल और होटल में दरिंदगी का आरोप

लखनऊ, संवाददाता। उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ के पीजीआई थाना क्षेत्र में ईश्वरीखेड़ा में किराये पर रह रही एक विधवा महिला के साथ दिल दहला देने वाली हैवानियत का मामला सामने आया है। आरोप है कि मकान मालिक ने महिला को नशीली कॉफी पिलाकर उसके साथ दुष्कर्म किया और अश्लील फोटो व वीडियो बना लिए। इसके बाद आरोपी ने उन्हें वायरल करने की धमकी देकर करीब 15 दिनों तक महिला को ब्लैकमेल किया और जबरन दुष्कर्म करता रहा। पीड़िता के अनुसार, घटना करीब 28 दिन पहले शुरू हुई। लगातार प्रताड़ना से तंग आकर वह किसी तरह आरोपी के चंगुल से निकलकर अपने मायके निगोहां पहुंची और पूरी आपबीती अपने माता–पिता को बताई। इसके बाद उसके पिता ने ईश्वरीखेड़ा स्थित किराये का कमरा खाली करा दिया। इस बात की जानकारी मिलते ही आरोपी ने महिला को फोन कर अश्लील फोटो और वीडियो वायरल करने की धमकी दी और मिलने के लिए दबाव बनाया। आरोप है कि आरोपी महिला को अपनी बाइक से पीजीआई थाना क्षेत्र के एक होटल ले गया।

सम्पादकीय.....

शिक्षकों पर बोझ

हाल के दिनों में देश की शीर्ष अदालत से लेकर आम विमर्श तक में आवारा कुत्तों का मामला सुर्खियों में रहा है। इस संवेदनशील, जटिल व विवादास्पद मुद्दे से जुड़े कई तरह के अंतर्विरोध सामने आ रहे हैं। लेकिन इस कड़ी में बिहार के एक नगर निगम के बेतुके फरमान को लेकर आलोचना की जा रही है। यह निर्णय न केवल बेतुका है बल्कि हास्यास्पद भी है। बिहार के सासाराम के नगर निगम ने शिक्षकों से सड़कों में घूमने वाले आवारा कुत्तों की गिनती करने को कहा है। दरअसल, अदालत के निर्देशों के अनुरूप स्थानीय निकायों की इस बाबत जवाबदेही तय की गई है। सरकारी स्कूलों में शिक्षा की गुणवत्ता पर उठ रहे सवालों व गिरते परीक्षा परिणाम के बावजूद शिक्षकों को गैर–शिक्षण कार्यों में लगाना दुर्भाग्यपूर्ण ही कहा जाएगा। वहीं दूसरी ओर हर छोटे–बड़े सरकारी अभियान में शिक्षकों की जिम्मेदारी लगाना प्रशासनिक विफलता को भी उजागर करता है। कभी जनगणना, कभी चुनावी ड्यूटी तो कभी आपदा सर्वेक्षण, और अब कुत्तों की गिनती का बेतुका काम शिक्षकों के जिम्मे लगा दिया गया है। दरअसल, बिहार के शिक्षक विषम परिस्थितियों के चलते पहले ही अत्यधिक दबाव में हैं। जिसके कारण वे शैक्षणिक जिम्मेदारियों व गैर–शिक्षण दायित्वों के लगातार बढ़ते बोझ के बीच संतुलन बनाने के लिये संघर्ष कर रहे हैं। इसमें दो राय नहीं है कि हर इस तरह का व्यवधान कक्षा के समय, पाठ योजना और छात्रों की सहभागिता को गहरे तक प्रभावित करता है। निश्चित रूप से प्राथमिक शिक्षा बच्चे के विकास की नींव रखती है। यह तथ्य किसी से छिपा नहीं है कि बिहार के स्कूलों का परीक्षा परिणाम बेहद निराशाजनक रहता है। वर्षों से पेश की जा रही एएसईआर रिपोर्टों में कई बार उजागर किया गया है कि बिहार के स्कूलों का परीक्षा परिणाम देश में सबसे कमजोर रहा है। जो कि एक चिंता का विषय बना हुआ है। ऐसे में जब पहले ही बिहार के स्कूलों का परीक्षा परिणाम निराशाजनक रहता है तो शिक्षकों को एक और गैर–शैक्षणिक कार्य के लिये कक्षाओं से बाहर निकालना, निस्संदेह शिक्षा व्यवस्था के लिए आत्मघाती कदम ही कहा जाएगा। इससे भी बुरी बात यह है कि यह आदेश कई वास्तविक खतरों से भरा है। आवारा कुत्तों की गिनती करना शिक्षण के कागजी कार्य के समान सहज नहीं है। निश्चित रूप से अनेक शिक्षक ऐसे होंगे जो कुत्तों से डरते भी होंगे। खासकर शिक्षिकाओं के लिये यह कार्य खासा चुनौतीपूर्ण हो सकता है। कुछ लोग इस गणना प्रक्रिया में वास्तविक खतरे का सामना भी कर सकते हैं। इस बात का संकेत शीर्ष अदालत की टिप्पणी में भी मिलता है। दरअसल, सर्वोच्च न्यायालय ने इस बात पर जोर दिया था कि किसी कुत्ते के मन को पढ़ना या यह अनुमान लगाना असंभव है कि कोई जानवर कब आक्रामक हो जाएगा। निश्चित रूप से अप्रशिक्षित शिक्षकों को ऐसे कार्य करने के लिए कहना, उनकी सुरक्षा के लिये भी चुनौती होगी। खासकर तब जब आवारा कुत्तों के काटने की घटनाएं और रेबीज से होने वाली जीवन क्षति सार्वजनिक स्वास्थ्य के लिये चिंता का विषय बनी हुई हैं। ऐसे में नगर निगम के आदेश की तार्किकता पर सवाल उठना स्वाभाविक है। दरअसल, सर्वोच्च न्यायालय ने पशु जन्म नियंत्रण और जन सुरक्षा उपायों को लागू करने में नगरपालिकाओं की विफलता पर सवाल उठाए थे। जिसके बाद एक स्थानीय निकाय ने अपनी मूल जिम्मेदारी शिक्षकों पर थोपकर इसका जवाब दिया है। निश्चित रूप से यह अपनी जिम्मेदारी से पल्ला झाड़ने जैसा है। निर्विवाद रूप से इस बेतुके आदेश को तत्काल प्रभाव से रद्द करने की जरूरत है। सही मायनों में नगरपालिका के अधिकारियों को अपना काम करना चाहिए और शिक्षकों को भी अपना काम करने की आजादी दी जानी चाहिए। यह समस्या केवल शिक्षकों की ही नहीं है बल्कि यह हमारे नौनिहालों के भविष्य से खिलवाड़ करने जैसा है। ऐसे में शिक्षकों को शिक्षण कार्य के अलावा अन्यत्र काम सौंपना, कहीं न कहीं छात्रों और छात्राओं को शिक्षा पाने के अधिकार से वंचित करने जैसा भी है।

जीवन में सहज-सजग शुरुआत का आनंद

संगीता मित्तल

परिवर्तन जल्दबाजी में नहीं होता और सजग प्रगति अंततरू शांति बन जाती है। सजगता को अक्सर जीवन से पलायन समझ लिया जाता है। जबकि सच यह है कि सजगता जीवन से सबसे गहरा संवाद है। अपनी सांस, थकान और इच्छा को बिना जजमैंट देख पाना–यह आत्मिक ईमानदारी है और वही साहस है।

नववर्ष जब लोहड़ी और मकर संक्रांति के साथ दस्तक देता है, तो समय मानो एक क्षण ठहरकर हमें कुछ याद दिलाने आता है। आंगनों में जलती लोहड़ी की अग्नि, अन्न की सांझेदारी, सूर्य का उत्तरायण होना–ये केवल पर्व नहीं, जीवन के संतुलन के संकेत हैं। यह संयोग हमें बताता है कि जीवन में सच्ची शुरुआत कभी हड़बड़ी से नहीं होती, वह हमेशा लय और सजगता से जन्म लेती है। नया साल हमसे तेज दौडने की मांग नहीं करता। वह हमसे सजग होकर मंजिल तक पहुंचने को प्रेरित करता है। लेकिन हर जनवरी के साथ हमारे मन में एक अजीब–सी बेचौनी घर कर जाती है–और बेहतर, और तेज, और अधिक साबित करने की होड़ में हड़बड़ी। लक्ष्य ऊंचे करने, टाइम–टेबल ठूंसने और साल के शुरुआती दिनों में ही उपलब्धियां दिखाने का दबाव। जैसे समय स्वयं हमसे हिसाब मांग रहा हो। जबकि सच्ची शुरुआत कभी दबाव में नहीं होती। वह तब होती है, जब हड़बड़ी की जगह सजगता हो, जब गति से पहले संतुलन बनाया जाए। आज की अधिकांश महत्वाकांक्षाएं प्रेरणा से नहीं, तुलना से जन्म लेती हैं। हम उधार की समय–सीमाओं और परिभाषाओं में सफलता को नापने लगे हैं। ऐसी परिभाषाएं, जो हमारे जीवन के भीतर की ऋतु, लय और सीमा को शायद ही मानती हों। नतीजा यह है कि जनवरी के अंत में ही बहुत से लोग थक चुके होते हैं। यह थकान अनुशासन की कमी नहीं, सुनने व समझने की कमी का परिणाम है। यह असफलता नहीं, असंतुलन है। कर्म समस्या नहीं है। बिना भीतर टिके किया गया कर्म ही कई बार संकट का रूप ले लेता है। सजगता रहित महत्वाकांक्षा शोर बन जाती है। वह आगे तो धकेलती है, पर यह नहीं पूछती कि दिशा सही है या नहीं। सजगता महत्वाकांक्षा को समाप्त नहीं करती, बल्कि उसे शुद्ध करती है। पर्वों में छिपा जीवन–विज्ञान रू भारत के फसल पर्व इसी समय आते हैं–यह संयोग नहीं, संकेत है। ये पर्व हमें बिना उपदेश दिए सिखाते हैं कि जीवन केवल महत्वाकांक्षा से नहीं, संतुलन से चलता है। अग्नि शुद्ध करती है। भोजन पोषण देता है और संतुलन उपचार करता है। जब हम अग्नि को कृतज्ञता से, भोजन को संयम से और शरीर को लय से सम्मान देते हैं, तो मन स्वतरू स्थिर होने लगता है। ये पर्व केवल धार्मिक अनुष्ठान नहीं, बल्कि मानसिक और सामाजिक स्वास्थ्य की गहरी समझ हैं। लोहड़ी हमें सिखाती है कि जो पक चुका है, जो भारी हो गया है, उसे छोड़ देना चाहिए। मकर संक्रांति का संदेश है कि रोशनी की ओर मुडना अचानक नहीं, धीरे.धीरे होता है। दोनों मिलकर एक शाश्वत सत्य कहते हैं–विकास कठोर होना जरूरी नहीं। परिवर्तन जल्दबाजी में नहीं होता और सजग प्रगति अंततरू शांति बन जाती है। सजगता को अक्सर जीवन से पलायन समझ लिया जाता है। जबकि सच यह है कि सजगता जीवन से सबसे गहरा संवाद है। अपनी सांस, थकान और इच्छा को बिना जजमैंट देख पाना–यह आत्मिक ईमानदारी है और वही साहस है। आधुनिक विज्ञान भी अब मानता है कि जब कर्म विवशता से नहीं, सजगता से उपजता है, तो मन स्थिर होता है, प्रतिक्रियाएं नरम पड़ती हैं और स्पष्टता जन्म लेती है। सहज शुरुआत धीमी इसलिए नहीं होती कि उसमें ऊर्जा कम है, बल्कि इसलिए कि उसमें दिशा का सम्मान होता है। जब हम नया साल सजगता से शुरू करते हैं, तो सवाल बदल जाते हैं। 'मैं कितना हासिल कर सकता हूं' की जगह 'क्या आवश्यक है' सामने आता है। सहजता कमजोरी नहीं है। वह बिना हिंसा की शक्ति है। आज की थकान शारीरिक से अधिक मानसिक है। कठोर आत्मसंवाद, अवास्तविक अपेक्षाएं और निरंतर स्वयं पर निगरानी–इनमें कोई भी जीवित तंत्र फलता–फूलता नहीं। श्रीमद् भगवत गीता यहां भी करुणा से मार्ग दिखाती है–'उद्धरेदात्मनाऽत्मानं' अर्थात स्वयं को स्वयं उठाओ, गिराओ मत। जैसे बीज केवल कोमल मिट्टी में फूटता है, वैसे ही भीतर का परिवर्तन सुरक्षा और करुणा में होता है। सफलता की नई परिभाषा रू 'बर्नआऊट', चिंता और भावनात्मक दूरी व्यक्तिगत असफलता नहीं, सामूहिक संकेत हैं। ये बताते हैं कि हमारी सफलता की मौजूदा परिभाषा मानव स्वभाव से मेल नहीं खा रही। उपस्थिति के बिना उत्पादकता खोखली है। भीतर के आधार के बिना उपलब्धि टिकती नहीं। सजगता को चुनना लक्ष्य छोडना नहीं है। यह लक्ष्य को भय की जगह स्पष्टता से आगे बढने देना है। नववर्ष और लोहड़ी–मकर संक्रांति (उत्तरायण) के इस संगम पर शायद सबसे बड़ा संकल्प यह हो सकता है कि हम समय को जीतने नहीं, समझने की कोशिश करें। बोलने से पहले देखें। तय करने से पहले सुनें। आगे बढ़ें, पर भीतर आक्रामकता के बिना। सहज शुरुआत अनिर्णय नहीं, चलती हुई बुद्धि है। इस राह पर हम पीछे नहीं छूटते। हम पहुंचते हैं, जड़ में टिके, उपस्थित और शांत आत्मविश्वास के साथ। सहजता हमसे ताकतवर बनने को नहीं कहती, वह हमें सच्चा बनने को कहती है। नव वर्ष, लोहड़ी–मकर संक्रांति (उत्तरी भारत), पोंगल (दक्षिणी भारत), उत्तरायण (गुजरात, राजस्थान), माघ बिहू (असम), मकर विलक्कू (केरल) का संगम हमें सहजता व सजगता से जीवन को आगे बढ़ाने का संदेश देता है।

सिर्फ़ यादें रह गईं

धारावाहिक लघु उपन्यास

(भाग –22)

लेखिका –अतिया नूर

समीर रोज़गार से लग जाएगा यह तो सभी जानते थे लेकिन नेहा एक संपन्न घर की लाड़ प्यार में पली इकलौती बेटी थी तो नेहा के साथ उसके माता पिता को भी अपना दामाद संपन्न और बड़ा बिजनेस मैन ही चाहिए था।भला वे अपनी बेटी की शादी किसी ऐरे ग़ैरे से क्यों करते।यह बात समीर को भी अच्छी तरह मालूम थी।समीर ने स्वयं को परिस्थितियों में झोंक दिया था।वह अपना जीवन सुधारना चाहता था ।नेहा के प्रति उसका प्रेम पागलपन की हद तक था। मुझे याद है कि उस समय दिल्ली मेट्रो स्टेशन का काम पूरे जोर शोर से चल रहा था, मेट्रो में कुछ तेज़ और अच्छी इंग्लिश बोलने वालों की भर्ती चल रही थी, समीर की इंग्लिश स्पीकिंग बहुत अच्छी थी, इंग्लिश स्पीकिंग अच्छी होने की वजह से उसे ऑफ़िस वर्क मिल गया। सैलरी भी अच्छी थी। अपनी नई नौकरी से समीर बहुत खुश था। उसने फ़ोन पर जब मुझे यह बात बताई तो उसकी खुशी छुपाए नहीं छुप रही थी। मैंने बहुत दिनों के बाद समीर की हंसती हुई आवाज़ सुनी थी, मैं भी खुश थी कि चलो कुछ तो अच्छा हुआ। ऑफ़िस की तरफ़ से समीर के रहने और खाने का भी इंतज़ाम था।घर में सभी ने बहुत दिनों के बाद राहत की सांस ली थी । जीवन अपनी पूरी गति से चलता और दौड़ता रहा।समीर को जब पहली तनख्वाह मिली तो उसने अपनी ज़रूरत के पैसे निकलकर बाक़ी पैसे यह कहकर मेरे एकाउंट में ट्रांसफ़र कर दिए कि – मां इन पैसों को आप अपने पास रखिए, जब मैं कहूंगा तो दीजिएगा। मैंने उसके बीस हज़ार रुपए बहुत संभलकर रख लिए।

धीरे धीरे समीर ने लगभग एक लाख इकट्ठे कर लिए। छुट्टी में वह अक्सर घर आ जाता था। शिखा उसे देख बहुत खुश हो जाती और भैया भैया करती रहती, अपने बेटे का सुधरा रूप देख मैं फूली नहीं समाती, मगर शेखर का समीर के प्रति व्यवहार कभी नहीं बदला।उनका अपना वही पुराना ढंग था। समीर शेखर से बात करना चाहता तो शेखर का रूखा व्यवहार देख चुप हो जाता, एक दो दिन रहकर वह फिर अपने काम पर निकल जाता।

अच्छी क़िस्मत कुछ दिन तक समीर के साथ थी लेकिन किसे मालूम था कि तकदीर उसके साथ अभी और भी खेल खेलने वाली है, और यह उसके जीवन का सबसे दर्दनाक पल होगा।उस दिन समीर को तनख्वाह मिली तो उसने उसे अपनी पॉकेट में रख लिया, और काम करता रहा।उसी दिन ऑफ़िस में उसके बॉस के पच्चीस हजार गुम हो गए और समीर की पॉकेट से उसकी सैलरी के पैसे बरामद कर बॉस ने चोरी का इल्ज़ाम मेरे समीर पर लगा दिया। समीर लाख सफ़ाई देता रहा मगर उसकी बात किसी ने नहीं सुनी और पुलिस ने उसे हवालात में बंद कर दिया। यह बात उसके दोस्त ने फ़ोन पर जब हमें बताई तो मैं ग़श खाकर गिर ही पड़ी। होश आने पर मैं बुत बने बैठे शेखर से समीर की मदद करने की विनती करती रही मगर वे टस से मस नहीं हुए बल्कि गरज कर बोले कि –मैं उसकी कोई मदद नहीं करूंगा । मैंने जब फ़ोन पर समीर से बातें कीं तो वह फफक कर रो पड़ा। वह बार बार दोहराता रहा – मां मैं तो ईमानदारी से कम कर रहा था, हमेशा मेरे साथ ऐसा क्यों होता है? मां... मां

बताओ न मां!

मैं उसे क्या बताती?

उसके साथ रो ही सकती थी, सो रोती रही उसे सांत्वना देती रही, और उसे इन हालात से बाहर निकालने की तरकीब सोचती रही।

प्रयागराज, उत्तर प्रदेश

असम का माघ (भोगाली) बिहू

असमवासी प्रधान उत्सव माघ बिहू को जनवरी महीने यानि पौ व माघ के सक्रांति के दिन उमंग उल्लास से मनाते है । यहां की संस्कृति परम्परानुसार माघ बिहू उत्सव अति महत्वपूर्ण होता है । इसमें सामूहिक भोजभात सेवन करने, भेला घर निर्मित करने, मेजी बनाने, खेलकूद प्रतियोगिता आयोजित करने का उत्साह आनंद अद्भुत अलग अंदाज में होता है । इसे भोगाली बिहू भी कहा जाता है। इस समय सभी घरों में हरेक किस्म की खानेपीने की वस्तुओं की भरमार रहती है। असमिया संस्कृति परंपरानुसार स्थानीय उत्पादित खाद्य सामग्रियों, घरों की हरी भरी सब्जियों एवं चावलों धान आदि की भरमार में मुख्यतः मांस, मछली, पोखरों, जलाशयों आदि में पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध होती है।

सामूहिकता में आपसी सौहार्द, मेलमिलाप में अपनत्व का रंग भी बिहू पर बढ़ता चला जाता है । इसे सामूहिक मनाने के उत्साह में एक चूल्हे पर भोजन पकाते एक संग सेवन करते है । रातभर मनोरंजन, खेलकूद, हंसीमजाक, मस्ती भरे भिन्न स्थानीय खेल आदि का भरपूर लुफ्त उठाते है बिहू संस्कृति से जुड़े गीत संगीत की धुन के तार बजते ही माघ बिहू की छटा समूचे अंचल में बिखरती है। भोगाली बिहू पर भेलाघर व मेजी के निकट नृत्य गीत संगीत में झूमकर खुशी मनाते है। इसमें बांस, खेड़ केले के पत्तो आदि का प्रयोग होता है । खेत पथार या खुले स्थानों में कलात्मक आकर्षक लुभावने भेलाघर बनाये जाते है।

ये भेलाघर सुदूर से अति आकर्षक दिखते है। सूर्योदय व पो फटने के पूर्व स्नान करके मेजी जलाते है। सभी मेजी की आग पर मीठे आलू को पकाते व खाते है ।मेजी जलाने के बाद इस समय आमजन व सभी आर्शीवाद भी लेते है। गांवों में एक हफ्ते पूर्व से पेड़ की लकड़ियों का जुगाड़ होने लगता है। सभीजन इस काम में जुट जाते है । अधिकतम लकड़ी बटोरकर या काटकर ऊंचे ढेर का मेजी तैयार करके खड़े करते है । इसे बनाने की फुर्ति का नजारा खासकर गांवो में जोशीला होता है । इसे बनाने में चार भीम कोल(केले) के पेड़ व्यवहृत करते है । लकड़ियों के ढेर रखकर ऊंचे बने मेजी कहलाता है । असमिया जाति संस्कृति में प्रचलित परम्परानुसार माघ बिहू पर मेजी जलाने का नियम है । इसके नियम रीति नीति पद्धति की परंपरा को असम में विभिन्न जाति जनजाति जनगोष्ठी द्वारा बखूबी निभाकर माघ बिहू के महत्त्व को निभाते आ रहे है । मेजी जलाने के पहले दिन को उरुका नाम से जाना जाता है । माघ बिहू भोगाली बिहू मनाने में विशेषकर खानेपीने की सामग्रियों जलपान गुड मुड़ी पीठा दही आदि के क्रय में सभी व्यस्त होते है ।

उरुका के दिन झील पुखरी, नदी तालाब, आदि में जाकर मछली पकड़ते है । इस बिहू में मुर्गा मुर्गी भैंस शेन माल बुलबुली चिड़िया अंडा खेल, आदि आकर्षक खेल प्रतियोगिता भी आयोजित किये जाते है । इनके उपरांत कुश्ती दौड़ कूदना आदि भी आयोजित होते है ।आहोम राजाओ के शासन काल में इन खेलों के बाबत जय सागर में रंगघर का निर्माण करवाया था । घरो में दही मुड़ी तिल पीठा आदि बनाने में महिलाओ की व्यस्तता रहती है वही उसेस्वयं सेवन करने के अलावा मेहमान को भी बिहू के पारंपरिक खाद्य परोसते है।

–ललित शर्मा

उच्च पद और व्यवहार

सुनीता मलिक सोलंकी 'मीना'

उच्च पद भी किसी किसी को संभालने आते हैं मिल तो हर पढ़े लिखे को जाते हैंष सीखने की बात है , ट्रेनिंग की बात है ये विषय ; पढ़ने के बाद आप किसे अपना आदर्श मान कर कार्य भार संभालेंगे यह व्यक्ति के व्यवहार पर निर्भर है !

यूं तो अनेकों विभाग के ऊंचे पदों पर आसीन ,,बिलासपुर के कुलपति जैसे लोग नियुक्त हुए मिल जाएंगे आपको! जिनकी अपनी कोई गरिमा नहीं होती, । वे सोचते हैं पद पर होने से गरिमा हो जायेगी । लेकिन ऐसा कृत्य करके वें पद की भी गरिमा को धूमिल और शर्मसार करते हैं।

बिलासपुर के कुलपति के कृत्य पर निश्चय ही गुरुघासीदास (संस्थापक) शर्मसार हो रहे होंगे ।

ष्अतिथि देवो भवष सूक्ति को कहने और बरतने वाले लोग अब नहीं रहे अब ये पुरानी और बोझिल बातें भूलता जा रहा है शायद समाज और हमारे देशवासी !,कुलपति की सोच वाले लोग ही अधिक तादात में आज अनेकों उच्च पदों पर आसीन होंगे!

मगर महाविद्यालय जैसी जगह पर उच्च स्तरीय लोग भी अगर ये जहर उगलते हैं दिलों से / तो सोचने पर विवश होना पड़ रहा है कि उस कोलिज के विधार्थी क्या विचार ग्रहण कर रहे होंगे जो यदा कदा कुलपति को सुनते होंगे?

कुछ विधार्थी भी बैठे थे कतार में ।जरूर उनमें से कुछ कुलपति को सही मान रहे होंगे या ज्यादती वजह से मानने को मजबूर हुए होंगे?

मगर हम सभी के लिए विचारणीय;

कल से कुलपति के असभ्य आचरण का विरोध लगभग हर कोई कर रहा है , किन्तु विरोध और समर्थन करने वाले भी हम लोग ही हैं ।

हो सकता है हममें भी कोई ऐसा मन हो जो अहंकारी हो! अंहकार जिसमें होगा वो कहीं भी कुछ भी कार्य करे तो झलकेगा।

लेखक भी अंहकारी होते है या हो सकते हैं ! दंभी भाषा किसी की भी हो सामने वाले को समझ आने लगती है, दंभी को खुद समझ नहीं आती , लोगो से छीछालेदर हो जाने के बाद उसे लगता है कि अरे ये मैने क्या कर दिया!

लेखक भी एक दूसरे के सामने नहीं तो पीठ पीछे समालोचक आलोचक बने रहते हैं।

लेखकों को खुद को भी टटोल लेना चाहिए कि– कहीं किसी पुरस्कार के लालच में चाटुकार तो नहीं बन रहे हो?

सच मानिए आप लोगों की

विनम्रता और कार्य शैली ही आपकी पहचान बने!

ऐसी कोशिश रखिए।

ऐसे लेखकों को सराहिए जो नये पुराने सबकी रचनाओं को यथोचित सम्मान दें! नवोचित लेखकों को विनम्र लहजे में कमियों को सुधारने की सलाह दें , मानना ना मानना लेखक की मर्जी।

व्यवहारिक होना आज कठिन सा हो गया हो, जैसे सबके लिए ! यूँ तो धीरे धीरे व्यवहार क्या होता है ? ही भूल जाएंगे सब!

रचना सक्सेना की कुण्डलियाँ

जिनके उर में बैर है, वो क्या जाने प्रीत।
दिल से दिल का यह मिलन ,यही प्रीत की रीत।
यही प्रीत की रीत, जहाँ प्रिय सुध - बुध खोता।
रहे मिलन की चाह, प्रेम में हरदम रोता।।
कहती रचना आज, दिलों में नफरत उनके।
समझे कब वो प्रेम, बैर है दिल में जिनके।।

वो क्या जाने प्रीत को, नहीं हृदय जगदीश।
प्रेम धर्म की नींव है, बसे प्रेम में ईश।
बसे प्रेम में ईश, राम शबरी के होते।
खाते झूठे बेर, संग शबरी के रोते।
कहती रचना आज, प्रेम मे पागल थी जो।
नाचे होके मस्त, श्याम की मीरा थी वो।।

रचना सक्सेना
अलोपीबाग
प्रयागराज

एस. एस. राजामौली की `वाराणसी' को मिला दर्शकों का जबरदस्त प्यार, मेकर्स ने शेयर की झलक

एस. एस. राजामौली की आने वाली दमदार एक्शन–एडवेंचर फिल्म वाराणसी, जिसमें महेश बाबू, प्रियंका चोपड़ा और पृथ्वीराज सुकुमारन नजर आएंगे, भारतीय सिनेमा की सबसे ज्यादा चर्चा में रहने वाली फिल्मों में अपनी जगह पक्की कर चुकी है। फिल्म को लेकर उत्साह उस वक्त और बढ़ गया, जब मेकर्स ने रामोजी फिल्म सिटी में आयोजित एक शानदार ग्लोब ट्रॉटर इवेंट में इसकी पहली झलक दिखाई। इस ग्रैंड रिवील को देखने के लिए 50,000 से ज्यादा फैंस की भारी भीड़ जुटी थी, जिसने इसे भारतीय एंटरटेनमेंट इतिहास की सबसे बड़ी लाइव फैन गैदरिंग्स में से एक ही नहीं, बल्कि देश का अब तक का सबसे बड़ा फिल्म रिवील बना दिया। भारत से बाहर भी वाराणसी ने अपनी मजबूत मौजूदगी दर्ज करानी शुरू कर दी है। फिल्म का पहला ग्लिम्प्स पेरिस के ले ग्रैंड रेक्स में आयोजित ट्रेलर फेस्टिवल में दिखाया गया, जो यूरोप का सबसे बड़ा और ऐतिहासिक थिएटर माना जाता है, जहां दर्शकों का रिस्पॉन्स जबरदस्त रहा। जैसे ही स्क्रीन पर फुटेज चली, पूरा थिएटर तालियों, सीटियों और उत्साह भरे शोर से गूंज उठा, जिससे माहौल पूरी तरह से जोश से भर गया। बाद में दर्शकों ने अपने रिस्पॉन्स के जरिए फिल्म की जबरदस्त सोच और ग्रैंड विजुअल्स की खुलकर तारीफ की और फ्रांस में इसकी रिलीज देखने की इच्छा जताई। फिल्म का संगीत खास तौर पर लोगों को पसंद आया। साथ ही भारत की गहरी सांस्कृतिक विरासत को कहानी में पिरोने के लिए कई दर्शकों ने एस. एस. राजामौली की सराहना की, और कुछ ने तो उन्हें आज के दौर का शेक्सपीयर तक कह दिया। मेकर्स ने इस खास पल को कैमरे में कैद किया और सोशल मीडिया पर शेयर करते हुए लिखा– पेरिस के ऐतिहासिक और यूरोप के सबसे बड़े थिएटर ले ग्रैंड रेक्स में हुए ट्रेलर फेस्टिवल में वाराणसी को दुनिया के सामने दिखाया गया, जहां हॉलीवुड और फ्रेंच फिल्मों के 30 से ज्यादा आने वाले ट्रेलर्स भी शामिल थे। फ्रांस, आप वाकई प्यार हो घ्द सच में। इसके अलावा वाराणसी में पृथ्वीराज सुकुमारन का कुंभा वाला पहला लुक और प्रियंका चोपड़ा जोनस का मंदाकिनी वाला जबरदस्त अंदाज पहले ही सामने आ गया है। इससे सोशल मीडिया पर हंगामा मच गया और देशभर में उत्सुकता बढ़ गई है। अब दर्शक बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं, क्योंकि यह ग्रैंड फिल्म 2027 में बड़े पर्दे पर आने वाली है।

> “ फिल्म का संगीत खास तौर पर लोगों को पसंद आया। साथ ही भारत की गहरी सांस्कृतिक विरासत को कहानी में पिरोने के लिए कई दर्शकों ने एस. एस. राजामौली की सराहना की, और कुछ ने तो उन्हें आज के दौर का शेक्सपीयर तक कह दिया। मेकर्स ने इस खास पल को कैमरे में कैद किया और सोशल मीडिया पर शेयर करते हुए लिखा- पेरिस के ऐतिहासिक और यूरोप के सबसे बड़े थिएटर ले ग्रैंड रेक्स में हुए ट्रेलर फेस्टिवल में वाराणसी को दुनिया के सामने दिखाया गया, जहां हॉलीवुड और फ्रेंच फिल्मों के ३० से ज्यादा आने वाले ट्रेलर्स भी शामिल थे।

दिवंगत एक्टर राजेंद्र कुमार की पत्नी शुक्ला का निधन, इंडस्ट्री में शोक की लहर

मनोरंजन जगत से हाल ही में एक बेहद बुरी खबर सामने आ रही है। दिवंगत दिग्गज एक्टर राजेंद्र कुमार की पत्नी और एक्टर कुमार गौरव की मां अब इस दुनिया में नहीं रही। शुक्ला कुमार का निधन हो गया है। इस बात की पुष्टि कुमार गौरव के परिवार की ओर से की गई है। उनके निधन की खबर आते ही फिल्म इंडस्ट्री में शोक की लहर दौड़ गई है। शुक्ला कुमार के निधन क्यों हुआ, इस बारे में अभी तक कोई जानकरी सामने नहीं आई है। रिपोर्ट के अनुसार, परिवार की ओर शुक्ला कुमार की आत्मा की शांति के लिए 10 जनवरी को प्रेयर मीट रखी गई है, जिसमें इंडस्ट्री के कई जाने–माने चेहरे उन्हें श्रद्धांजलि देने के लिए शामिल होंगे। बता दें, बॉलीवुड लीजेंड राजेंद्र कुमार का 12 जुलाई 1991 को दिल का दौरा पड़ने से निधन हो गया था। तब वे 71 साल के थे और अब उनके करीब 35 साल बाद उनकी पत्नी शुक्ला कुमार का भी निधन हो गया है। शुक्ला का नाता सिर्फ सुपरस्टार के परिवार से ही नहीं, बल्कि पूरे फिल्मी जगत से जुड़ा हुआ था। वह फिल्म इंडस्ट्री से जुड़े नाम रमेश बहल और श्याम बहल की बहन थीं। इस रिश्ते से वे गोल्डी बहल और रवि बहल की बुआ लगती थी। रिपोर्ट के मुताबिक, शुक्ला कुमार हमेशा लाइमलाइट से दूर रहती थीं, लेकिन परिवार के लिए उनकी भूमिका बेहद खास थी। वह राजेंद्र कुमार के करियर के हर उतार–चढ़ाव में चट्टान की तरह उनके साथ खड़ी रहीं। बता दें, शुक्ला कुमार और राजेंद्र कुमार के तीन बच्चे थे। एक बेटा और दो बेटियां। उनके बेटे कुमार गौरव ने फिल्मों में कदम रखा और अपनी अलग पहचान बनाई। वहीं, उनकी बेटी डिंपल की शादी हॉलीवुड फिल्म प्रोड्यूसर राजू पटेल से हुई जबकि दूसरी बेटी मनोरमा की शादी प्रोड्यूसर ओ.पी. रहलान से हुई।

द राजा साब के साथ प्रभास की हैट्रिक का तूफान, वायरल लीक ने रिलीज से पहले बनाया जबरदस्त माहौल

भारतीय सिनेमा की चमकदार दुनिया में एक नाम सबसे ऊपर है प्रभास। वे पैन–इंडिया सुपरस्टार हैं और दुनिया के बेहतरीन अभिनेताओं में से एक माने जाते हैं। कल, 9 जनवरी 2026 को, उनकी बहुप्रतीक्षित हॉरर–कॉमेडी फिल्म द राजा साब सिनेमाघरों में रिलीज होने जा रही है। यह अलग तरह की फिल्म बॉक्स ऑफिस पर रिकॉर्ड तोड़ने और प्रभास की विरासत को और मजबूत करने के लिए तैयार है। प्रभास ऐसे इकलौते भारतीय अभिनेता बन गए हैं जिनकी लगातार तीन फिल्में– सलार पार्ट 1– सीजफायर, कल्कि 2898 एडी और द राजा साब नॉर्थ अमेरिका में एडवांस बुकिंग में 1 मिलियन डॉलर से ज्यादा की कमाई कर चुकी हैं। यह उनकी जबरदस्त ग्लोबल लोकप्रियता को दिखाता है। हैदराबाद से लेकर हॉलीवुड तक फैंस तेजी से टिकट खरीद रहे हैं। फिल्म की रिलीज से पहले का क्रेज तब और बढ़ गया, जब एक बड़े डिस्ट्रीब्यूटर का लीक हुआ ऑडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया। इस ऑडियो में डिस्ट्रीब्यूटर ने प्रभास की जमकर तारीफ की और कहा कि 'रिबेल स्टार' हर तरह की भूमिका में कमाल करते हैं। वे ऐसी कॉमेडी करते हैं कि लोग हंस–हंसकर लोटपोट हो जाते हैं, हॉरर और डरावने सीन में रोंगटे खड़े कर देते हैं और दमदार एक्शन से हीरोइज्म की नई मिसाल पेश करते हैं। इस लीक के बाद सोशल मीडिया पर जबरदस्त चर्चा शुरू हो गई है और बाहुबली स्टार की हैट्रिक को लेकर उम्मीदें और बढ़ गई हैं। प्रभास की मजबूत स्क्रीन प्रेजेंस के साथ यह फिल्म अब तक की उनकी सबसे अलग और बहुआयामी फिल्म मानी जा रही है, जो परिवार, थ्रिल पसंद करने वालों और एक्शन के शौकीनों– सबको पसंद आएगी। थिएटर हाउसफुल शो के लिए तैयार हैं और प्रभास के फैंस पहले से कहीं ज्यादा उत्साहित हैं। क्या द राजा साब वैसी ही बड़ी ओपनिंग देगी, जैसी उम्मीद की जा रही है? प्रभास के साथकृबिलकुल! कल राजा को देखिए, इतिहास बनने जा रहा है!

मलाइका अरोड़ा ने की फनी पोस्ट, कृति सेनन ने साझा की पुरानी तस्वीर

फराह खान ने अपना जन्मदिन जहां फरहान अख्तर के साथ सेलिब्रेट किया। वहीं कई सेलेब्स ने फराह खान को जन्मदिन पर ढेर सारी शुभकामनाएं दी हैं। मलाइका अरोड़ा और कृति सेनन ने फराह खान के बर्थ डे पर सोशल मीडिया पोस्ट साझा की है। मलाइका अरोड़ा ने फराह खान के साथ कई तस्वीरें इंस्टाग्राम स्टोरी पर शेयर की हैं। साथ ही एक फनी मैसेज भी लिखा है। साथ ही बर्थ विश करते हुए 'लव यू' लिखा है। मलाइका और फराह खान पुरानी दोस्त हैं। यहां तक की मलाइका के करियर के सबसे हिट आइटम नंबर 'छैया छैया' और 'मुन्नी बदनाम हुई' फराह खान ने ही कोरियोग्राफ किए थे। कृति सेनन ने भी फराह खान को जन्मदिन पर ढेर सारी शुभकामनाएं रही हैं। फराह और अपनी एक पुरानी तस्वीर शेयर की है। इस फोटो में प्यार से फराह खान कृति को गाल पर किस कर रही हैं। आज फराह खान अपना 61वां जन्मदिन मना रही हैं, वहीं फरहान अख्तर भी अपना 52वां जन्मदिन सेलिब्रेट कर रहे हैं। दोनों ने साथ में अपना बर्थ डे केक काटा है। दोनों बचपन से एक–दूसरे को जानते हैं। यह दोनों एक–दूसरे के फर्स्ट कजिन हैं। जोया अख्तर यानी फरहान अख्तर की बहन ने एक वीडियो अपने इंस्टाग्राम पर पोस्ट किया है। जिसमें फराह और फरहान की बचपन की एक तस्वीर शेयर की है। इनमें दोनों डांस कर रहे हैं। इसके बाद एक वीडियो जोया अख्तर ने शेयर किया है, जिसमें फराह खान, फरहान अख्तर अपना जन्मदिन मना रहे हैं।

'राहु केतु' ट्रेलर ने सोशल मीडिया पर मचाया धमाल, नेटिजन्स ने की पुलकित सम्राट और वरुण शर्मा की तारीफ

'राहु केतु' का ट्रेलर रिलीज होते ही सोशल मीडिया पर जबरदस्त चर्चा शुरू हो गई है। फिल्म के मजेदार कॉन्सेप्ट, कॉमिक एनर्जी और खासतौर पर पुलकित सम्राट की परफॉर्मेंस को लेकर नेटिजन्स खुलकर तारीफ कर रहे हैं। ट्विटर (एक्स) से लेकर फैन फोरम्स तक, दर्शक ट्रेलर को एक फ्रेश और फील–गुड एंटरटेनर बता रहे हैं, वहीं पुलकित की नेचुरल चार्म और शानदार कॉमिक टाइमिंग की भी खूब सराहना हो रही है। ट्रेलर सामने आते ही फैंस ने सोशल प्लेटफॉर्म्स पर पॉजिटिव रिएक्शन्स की बाढ़ ला दी है। कई यूजर्स ने पुलकित सम्राट की उस एनर्जी की तारीफ की जो जानी–पहचानी होने के बावजूद फ्रेश लगती है। साथ ही वरुण शर्मा के साथ उनकी केमिस्ट्री को भी दर्शकों ने खास तौर पर सराहा। फन, एंटरटेनिंग और "परफेक्ट लाफ राइड" जैसे शब्द टाइमलाइन्स पर छाए हुए हैं। वहीं, लाइट–हार्टेड और कॉस्मिक कॉमेडी सेटअप में इस जोड़ी को फिर से साथ देखने को लेकर फैंस बेहद उत्साहित नजर आ रहे हैं। एक फैन जहां पुलकित की कॉमेडी को ईमानदार, एफर्टलेस और नेच्युरल कह रहे हैं, वहीं दूसरे फैन का कहना है कि राहु केतु काफी कलरफुल और मजेदार लग रही है, इस फिल्म में पुलकित एकदम कातिलाना लग रहे हैं। एक अन्य फैन ने लिखा है, आधा मनोरंजन तो पुलकित और वरुण को साथ में देखकर ही मिल जाता है। हम तो उन्हें देखने के लिए एक्साइटेड हैं। एक और यूजर ने लिखा है, ये मूवी फ्रेंड्स के साथ देखनेवाली लग रही है। स्पेशली पुलकित सम्राट जब कॉमेडी करते हैं, तो नेचुरली हंसी आ जाती है। एक अन्य फैन ने ट्रेलर के वाइब्स को बयां करते हुए लिखा है, पुलकित सम्राट और वरुण शर्मा, दो भाई दोनों तबाही। वहीं, एक और ट्वीट में लिखा गया है ये ट्रेलर देखके मूड फ्रेश हो गया। पुलकित सम्राट और वरुण शर्मा ने कमाल कर दिया। सोशल मीडिया पर मिल रही जबरदस्त प्रतिक्रिया और बढ़ते एक्साइटमेंट के साथ, 'राहु केतु' ने ऑनलाइन दर्शकों के दिलों में खास जगह बना ली है।

Winter Cap को इन तरीकों से भी किया जा सकता है इस्तेमाल

जब ठंड का मौसम आता है तो हम सभी खुद को ठंडी हवाओं से बचाने के लिए कैप का इस्तेमाल जरूर करते हैं। इस मौसम में हम सभी कुछ नई कैप्स खरीदते हैं, जिससे पुरानी कैप्स ऐसे ही रखी रह जाती हैं। हालांकि, अगर आप पुरानी कैप्स को फिर से एक नए तरीके से इस्तेमाल करना चाहती हैं तो ऐसे में आप कुछ तरीकों को अपना सकते हैं। तो चलिए जानते हैं इसके बारे में–

कैप्स से बनाए नेक वार्मर

अगर आपके पास पुरानी कैप्स हैं तो आप उसे कई अलग–अलग एक्सेसरीज में बदल सकते हैं। उदाहरण के लिए, एक बीनी को नेक वार्मर या हेडबैंड में बदला जा सकता है। जिससे ना केवल आपका विंटर लुक काफी स्टाइलिश लगता है, बल्कि इससे आप अपनी विंटर एक्सेसरीज को थोड़ा वर्सेटाइल भी बना सकते हैं।

दें नया लुक

अगर आपकी विंटर कैप पुरानी हो गई है और आप उसे फिर से इस्तेमाल करना चाहते हैं तो ऐसे में आप उसे एक न्यू लुक दे सकते हैं। इसके लिए आप कैप पर एंब्रायडरी या फिर पैच वर्क कर सकते हैं। इससे आप अपनी कैप को एक पर्सनलाइज्ड टच दे सकते हैं। जिससे आपकी कैप एकदम नई व यूनिक लगने लगेगी और इस तरह आप उसे फिर से यूज कर पाएंगे।

करें गिफ्ट रैप

यह भी विंटर कैप को रियूज करने का अमेजिंग आइडिया है। अगर आपके पास कोई ऐसा गिफ्ट है, जो साइज में बड़ा नहीं है तो ऐसे में आप उसे रैप करने के लिए रैपिंग पेपर के विकल्प के रूप में विंटर कैप का उपयोग करें। ऐसा करने से आपके गिफ्ट को एक पर्सनल और कोज़ी टच मिलेगा।

बनाएं पाउच

विंटर कैप की मदद से घर पर ही एक पाउच भी बनाया जा सकता है। इसके लिए, आप कैप के निचले हिस्से का सिलकर बंद कर दें। अब आप इसे एक छोटे पाउच के रूप में इस्तेमाल करें। छोटी–छोटी चीजों को कैरी करने का यह बेहद ही अनोखा और स्टाइलिश तरीका हो सकता है।

पालतू जानवर के लिए एक्सेसरीज

अगर आपकी कैप पुरानी हो गई है और अब आप उसे पहनना नहीं चाहते हैं तो ऐसे में आप अपने पालतू जानवर के लिए भी बतौर एक्सेसरीज इस्तेमाल कर सकते हैं। इसे आप आसानी से उसे पहना सकते हैं और ठंडी हवाओं से बचा सकते हैं।

वीकेंड के मौके पर बनाएं डलहौजी घूमने का प्लान, खूबसूरत नजारे देख नहीं करेगा वापस आने का मन

अगर आपको भी घूमना–फिरना काफी पसंद है, तो जाहिर है कि आप भी वीकेंड या छुट्टियों पर घर में बैठना पसंद नहीं करते होंगे। ऐसे में अगर आप न्यू ईयर के मौके पर भी कई लोग घूमने का प्लान बनाते हैं। ऐसे में अगर आपका भी शनिवार–रविवार ऑफ रहता है, तो इस बार सोमवार के दिन न्यू ईयर पड़ रहा है। ऐसे में आप तीन दिन की छुट्टियों में अपने शहर के आसपास की खूबसूरत जगहों को देखने के लिए जा सकते हैं। हांलाकि राजस्थान, चंडीगढ़, हरियाणा और दिल्ली एनसीआर में रहने वाले लोगों के लिए घूमने का सबसे अच्छा विकल्प हिमाचल और उत्तराखंड है। लेकिन यहां पर घूमने के लिए इतनी सारी जगह हैं कि लोगों को कंफ्यूजन हो सकती है। ऐसे में अगर आप भी न्यू ईयर पर घूमने का प्लान बना रहे हैं, तो यह आर्टिकल आपके लिए है। आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको डलहौजी की कई खूबसूरत जगहों के बारे में बताने जा रहे हैं। ऐसे में आप न्यू ईयर के मौके पर 2–3 दिन की छुट्टियां डलहौजी में आराम से बिता सकते है।

खज्जियार

डलहौजी से सिर्फ 1 किमी की दूरी का सफर तय कर आप खज्जियार पहुंच सकते हैं। इसको मिनी स्विटजरलैंड ऑफ इंडिया भी कहा जाता है। यहां पर दूर तक फैले घास के मैदान को देखने के लिए काफी दूर–दूर से लोग पहुंचते हैं। यहां का नजारा आपका मन मोह लेगा। वहीं अगर आप फोटोग्राफी के शौकीन हैं, तो यहां से आप आप ढेर सारी फोटोज निकाल सकते हैं। साथ ही शांति से बैठकर समय बिता सकते हैं।

कालाटॉप खज्जिर सैंक्चुअरी

इसके बाद डलहौजी में आप कालाटॉप सैक्चुअरी को भी एक्सप्लोर कर सकते हैं। आप यहां पर अपने परिवार के साथ भी आ सकते हैं। यह जगह घने जंगलों से घिरा हुआ है। इसके अलावा आप यहां पर बर्फ से ढके ऊंचे–ऊंचे पहाड़ भी देख सकते हैं। सैंक्चुरी कई जानवरों और पक्षियों का ठिकाना है। कुछ ही दूरी पर चंबा डैम भी स्थिति है। आप इसको भी जाकर देख सकते हैं।

दैनकुंड पीक

आपको बता दें कि दैनकुंड पीक यहां की सबसे ऊंची चोटी है। यह जगह डलहौजी से महज 10 किमी की दूरी पर स्थिति है। अगर आप एडवेंचर के शौकीन हैं, तो आपको यह जगह मिस नहीं करनी चाहिए। क्योंकि यहां तक आने के लिए आपको ट्रैकिंग करनी होती है। ट्रैकिंग के दौरान आप यहां पर कई खूबसूरत और मनमोहक नजारे देख सकते हैं।

सतधारा वॉटरफॉल

इसके अलावा आप डलहौजी में सतधारा वॉटरफॉल को भी देख सकते हैं। डलहौजी के 1 किमी दूर सतधारा वाटरफॉल बेहद खूबसूरत जगह है। सात धाराओं के कारण यह सतधारा वाटरफॉल के नाम से जाना जाता है। ऐसे में भीड़ और शोर–शराबे से दूर आप सतधारा वाटरफॉल के पास सुकून के कुछ पल बिता सकते हैं।

देश में बढ़ रहे हैं कोरोना के मामले, वायरल इंफेक्शन से बचने के लिए करें इन 3 ड्रिंक्स का सेवन

पूरे देश में एक बार फिर से कोरोना की माहामारी तेजी से फैल रही है। कोरोना के नया वैरिएंट का कहर देखने को मिल रहा है। ऐसे में जरूरी है कि आप पूरी एहतियात बरतें और डाइट पर खास ध्यान दें ताकि इम्यूनिटी स्ट्रांग हो। अगर आपकी इम्यूनिटी स्ट्रांग होगी तो शरीर रोगों से लड़ने में ज्यादा सक्षम होगा। आइए आपको बताते हैं 3 इम्यूनिटी बूस्टर ड्रिंक्स के बारे में जिसे पीने पर आप एनर्जेटिक तो महसूस करेंगे ही, साथ में कोरोना वायरस से भी बचने में मदद मिलेगी...

इम्यूनिटी बूस्टर ड्रिंक्स

हल्दी, अदरक और एप्पल साइड विनेगर ड्रिंक

सुबह उठकर हल्दी, अदरक और एप्पल साइड विनेगर से बना ड्रिंक पीने से शरीर में इम्यूनिटी बढ़ती है। अदरक में पाए जाने वाले एंटी बैक्टीरियल गुणों से आप पूरे दिन हेल्दी महसूस करेंगे। इसे बनाने के लिए आपको एक कप पानी में (चम्मच कुटी अदरक, (चम्मच हल्दी का टुकड़ा काटकर, 1 चम्मच एप्पल साइड विनेगर और स्वाद के लिए एक चम्मच शहद डालना है।

ड्रिंक बनाने का तरीका

सबसे पहले आपको किसी बर्तन में पानी, अदरक और हल्दी डालकर 5 से 10 मिनट उबालना है। अब आपको गैस बंद करके किसी बर्तन में इसे छान लेना है। अब थोड़ा ठंडा होने पर उसमें शहद और एप्पल साइड विनेगर मिलाकर पी लें।

अजवाइन, तुलसी और काली मिर्च से बना ड्रिंक

अजवाइन वाली इस खास ड्रिंक से भी इम्यूनिटी बूस्ट करने में मदद मिलती है। इसके आपको चाहिए आधा चम्मच अजवाइन, 5–6 तुलसी के पत्ते, 1/2 चम्मच काली मिर्च और 1 चम्मच शहद।

ड्रिंक बनाने का तरीका

सबसे पहले एक पैन में 1 ग्लास पानी लें। अब उसमें काली मिर्च पाउडर, अजवाइन डालकर 5 मिनट के लिए उबाल लें। अब ठंडा होने पर उसमें शहद मिलाकर पी लें। इस ड्रिंक को पीने से आपको कोल्ड, कफ में भी बहुत आराम मिलेगा। पेट के लिए भी ये ड्रिंक किसी वरदान से कम नहीं है।

गिलोय, लौंग और नींबू से बना ड्रिंक

कोरोना के बढ़ते कहर में ये ड्रिंक सबसे अच्छी है। इससे इम्यूनिटी पावर काफी तेजी से बढ़ती है। इसे ड्रिंक को बनाने के लिए सबसे पहले 5 लौंग, 6–7 तुलसी के पत्ते, 1 चम्मच अदकर, 1 कप गिलोय जूस, 2 चम्मच नींबू का रस और स्वाद के लिए काला नमक चाहिए।

ड्रिंक बनाने का तरीका

इसे बनाने के लिए एक पैन में एक कप पानी लें। अब इसे 5 मिनट के लिए उबाल लें। अब इस मिश्रण को 1 कप गिलोय जूस में मिला लें। स्वाद के लिए थोड़ा काला नमक और नींबू का रस मिला लें। इस ड्रिंक को आप रोज सुबह पीएं। ये ड्रिंक आपके ब्लड को प्यूरीफाई करने का काम करेगी। साथ ही लीवर से जुड़ी बीमारी और यूरिन इन्फेक्शन में भी फायदा पहुंचाएगी।

सर्दियों में बच्चों की डाइट में शामिल करें ये 6 सूप, बीमारियां रहेंगी कोसों दूर

सर्दियों में वायरल फ्लू और इंफेक्शन का खतरा काफी बढ़ जाता है। खासकर जिन लोगों की इम्यूनिटी कमजोर होती है जैसे की बच्चे, उन्हें बीमार होने का खतरा इस मौसम में सबसे ज्यादा रहता है। इसलिए उनका खास ख्याल रखें और डाइट में कुछ ऐसी चीजें शामिल करें जो शरीर को अंदर से स्ट्रांग बनाए। आप उन्हें सूप दे सकती हैं। सूप में कई तरह के पोषक तत्व होते हैं जो शरीर को गर्म रखते हैं और बच्चों के पूर्ण विकास में मददगार होते हैं। आइए आपको बताते हैं 6 तरह के सूप के बारे में जो आपको इन सर्दियों में अपने बच्चों की डाइट में शामिल करना चाहिए...

मशरूम का सूप

मशरूम में एंटी– इंफ्लेमेटरी गुण होते हैं जो कई सारे स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं में फायदेमंद है। इसे बनाने के लिए मशरूम के छोटे–छोटे टुकड़ों को पानी में डालकर उबालें। इसमें दूध डालकर कुछ मिनटों तक पकाएं। इसके बाद इसे गर्मा–गर्म बच्चों को परोसें।

ब्रोकोली और बीन सूप

सर्दियों में बच्चों को जुकाम और सर्दी होने का खतरा रहता है। उससे बच्चों को बचाने के लिए ब्रोकली और बीन्स का सूप दे सकते हैं। इसमें थोड़ा दूध और कॉर्नफ्लोर डालकर सूप को गाढ़ा बनाकर दें।

टमाटर–तुलसी का सूप

इसमें मौजूद एंटीऑक्सीडेंट्स इम्यूनिटी को स्ट्रांग बनाते हैं। अगर आपके बच्चे को सर्दी– जुकाम है तो ये सूप पीकर वो जल्दी ठीक हो जाएंगे।

मिक्स वेजिटेबल सूप

इस सूप में सब्जियों को अच्छी तरह से मिलाएं। फिर, इसमें पानी डालकर कुछ मिनटों के लिए पकाकर नमक और काली मिर्च डालकर बच्चों को दें।

कद्दू का सूप

इस सूप को बनाने के लए तेल में प्याज, लहसुन और अदरक के साथ कद्दू और वेजिटेबल्स डालें। ये सूप सर्दियों में बहुत अच्छा लगता है। इसे पीने से इम्यूनिटी लेवल बढ़ सकता है।

अदरक–लहसुन सूप

सर्दी–जुकाम से छुटकारा पाने और इम्यूनिटी को स्ट्रांग करने के लिए अदरक और लहसुन का सूप बहुत फायदेमंद है। इसमें मौजूद एंटी– बैक्टीरियल और एंटी– ऑक्सीडेंट्स होते हैं जो जुकाम को ठीक करते हैं।

पालक का सूप

ये बॉडी के टॉक्सिन्स को दूर करने में मददगार है। इसमें मौजूद एंटीऑक्सीडेंट्स जैसे न्यूट्रिएंट्स सर्दी– जुकाम से छुटकारा और आंखों की रोशनी बनाए रखने में मदद करते हैं।

विंटर में स्किन हाइड्रेशन का ख्याल रखेंगे ये टिप्स

सर्दी के मौसम में ठंडी हवाएं आपकी स्किन को और भी ज्यादा रूखा बना देती हैं। ऐसे में स्किन का ख्याल रखने के लिए उसकी नमी बनाए रखना बेहद जरूरी होता है। विंटर में स्किन हाइड्रेशन का ख्याल रखना काफी मुश्किल होता है। हो सकता है कि आप भी इस मौसम में रूखी व डल स्किन के कारण परेशान हो रहे हों। तो चलिए आज इस लेख में हम आपको कुछ ऐसे छोटे–छोटे टिप्स के बारे में बता रहे हैं, जिन्हें अपनाकर आप विंटर स्किन हाइड्रेशन का ख्याल रख सकते हैं–

मॉइश्चराइजिंग क्लींजर का करें इस्तेमाल

ठंड के मौसम में स्किन की हाइड्रेशन संबंधी जरूरतें बढ़ जाती हैं। इसलिए यह जरूरी है कि आप अपने स्किन केयर प्रोडक्ट पर अधिक ध्यान दें। मसलन, विंटर में अपनी स्किन की क्लीनिंग करने के लिए आप मॉइश्चराइजिंग बेस्ड क्लींजर का इस्तेमाल करें। इससे ना केवल आपकी स्किन बेहतर तरीके से क्लीन होती है, बल्कि उसका नेचुरल मॉइश्चर भी बना रहता है।

ह्यूमिडिफ़ायर का करें इस्तेमाल

यह एक छोटा सा टिप है, लेकिन आपके बेहद काम आ सकता है। ठंड के मौसम में इनडोर हीटिंग सिस्टम के कारण हवा शुष्क हो सकती है। ऐसे में ह्यूमिडिफ़ायर का इस्तेमाल करना काफी अच्छा माना जाता है। यह हवा में नमी जोड़ता है, जिससे आपकी स्किन बहुत अधिक रूखी होने से बचती है।

प्रोटेक्टिव हो कपड़े

आप अपनी स्किन को ठंडी हवाओं से बचाने के लिए ग्लव्स, स्कार्फ और टोपी पहनें। ऐसा करने से स्किन का मॉइश्चर लॉस कम होता है और हाइड्रेशन लेवल बना रहता है।

स्किन को करें एक्सफोलिएट

ठंड के मौसम में अपनी स्किन को समय–समय पर एक्सफोलिएट करना जरूरी होता है। जब आप अपनी स्किन को एक्सफोलिएट करते हैं तो इससे डेड स्किन सेल्स रिमूव होते हैं। जिससे स्किन में ब्यूटी प्रोडक्ट्स अधिक बेहतर तरीके से प्रवेश कर पाता है। हालांकि, आप अपनी स्किन को जलन से बचाने के लिए जेंटल एक्सफोलिएट सलेक्ट करें।

लगाएं हाइड्रेटिंग मास्क

अपनी स्किन के हाइड्रेशन लेवल को बनाए रखने के लिए आप हाइड्रेटिंग मास्क का इस्तेमाल भी जरूर करें। आप अपनी स्किन को अतिरिक्ति नमी देने के लिए आप सप्ताह में एक या दो बार हाइड्रेटिंग मास्क का इस्तेमाल करें। हयालूरोनिक एसिड या एलोवेरा जैसे हाइड्रेटिंग इंग्रीडिएंट्स का इस्तेमाल करने आपकी स्किन को नमी मिलती है।

संक्षिप्त

किस वजह से अटका व्यापार समझौता, अमेरिकी वाणिज्य सचिव का बड़ा खुलासा सिर्फ एक कॉल बनी वजह

वाशिंगटन,एजेंसी। डोनाल्ड ट्रंप ने जब से अमेरिकी राष्ट्रपति पद संभाला है, तब से उनकी भारत के साथ रिश्तों में तल्खी सामने आ रही है। भारत पर अमेरिकी टैरिफ का दबाव जारी है। इसी के साथ हालिया टिप्पणी में इस भार को और बढ़ाने की आशंका जताई है। भारत के साथ चल रहे ट्रंप के रिश्तों के बीच अब अमेरिका के वाणिज्य सचिव हॉवर्ड लटनिक ने भारत–अमेरिका ट्रेड डील को लेकर एक बड़ा और नया खुलासा किया है। भारत–अमेरिका व्यापार समझौते को अभी तक अंतिम रूप न दिए जाने के कारण पर उन्होंने दावा करते हुए कहा कि व्यापार समझौता इसलिए अटका हुआ है, क्योंकि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से बात नहीं की। उन्होंने दावे के साथ कहा कि यह प्रधानमंत्री मोदी की ओर से ट्रंप को फोन न करने के कारण यह समझौता अटका हुआ है। हॉवर्ड लटनिक ने साफ कहा कि ट्रेड डील के अटकने के पीछे की वजह कोई नीतिगत मतभेद नहीं, बल्कि पीएम मोदी का ट्रंप को सीधे फोन नहीं करना है। ऑल–इन पॉडकास्ट में बोलते हुए अमेरिकी वाणिज्य मंत्री लटनिक ने दावा किया कि ट्रेड डील की रूपरेखा पूरी तरह से तैयार थी, लेकिन उसे अंतिम रूप देने के लिए पीएम मोदी को डोनाल्ड ट्रंप से फोन पर बात करनी थी। बकौल लटनिक भारत सरकार इसके लिए सहज नहीं थी और आखिरकार यह कॉल नहीं की गई, जिसके चलते व्यापार समझौता अटक गया। इंटरव्यू में लटनिक ने कहा, चलिए साफ कर देता हूं, यह उनकी (ट्रंप) डील थी, वही अंतिम फैसला लेते हैं। वही सब कुछ करते हैं। सब कुछ पहले से तय था, इसके लिए प्रधानमंत्री मोदी को सिर्फ राष्ट्रपति ट्रंप को फोन करना था। वे ऐसा करने में असहज महसूस कर रहे थे। पीएम मोदी ने फोन नहीं किया, इसलिए सौदा नहीं हुआ। इसी के साथ लटनिक ने यह भी दावा करते हुए कहा कि जिन शर्तों पर भारत और अमेरिका के बीच व्यापार समझौता लगभग तय माना गया था, वे अब लागू नहीं हैं। इसी के साथ उन्होंने आगे कहा कि अमेरिका अब पीछे हट चुका है, जिस पर पहले सहमति बनी थी। अब हम उस पर विचार नहीं कर रहे हैं। यह बयान अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के एक विधेयक को मंजूरी देने के बाद आया है, जिसके तहत रूसी तेल खरीदने वाले देशों पर कम से कम 500 फीसदी टैरिफ लगाया जा सकता है, जिसका उद्देश्य उन्हें दंडित करना है। अमेरिकी सीनेटर लिंडसे ग्राहम ने कहा कि यह विधेयक चीन, भारत और ब्राजील जैसे देशों के खिलाफ अमेरिका को जबरदस्त ताकत देगा, जिससे उन्हें सस्ता रूसी तेल खरीदना बंद किया जा सके। गौरतलब है कि अगस्त, 2025 में, अमेरिका ने भारत से आयात होने वाले सामानों पर अतिरिक्त शुल्क लगा दिया था, यह आरोप लगाते हुए कि नई दिल्ली द्वारा रूसी तेल की खरीद यूक्रेन में मॉस्को की युद्ध मशीन को बढ़ावा दे रही है। तब से भारतीय सामानों पर कुल शुल्क 50: हो गया है, जिसमें 25प्रतिशत अतिरिक्त शुल्क और ट्रंप द्वारा लगाए गए 25प्रतिशत जवाबी शुल्क शामिल हैं। तब से दोनों देशों के बीच व्यापार वार्ता के कई दौर हो चुके हैं, जिनमें 10 से 12 दिसंबर तक होने वाली बैठक भी शामिल है, जब अमेरिकी अधिकारियों ने नई दिल्ली का दौरा किया था।

जयशंकर की मौजूदगी में मैक्रों का अमेरिका–चीन पर वार, 'नए औपनिवेशिक वर्चस्व' लेकर क्या बोले जानिए

नई दिल्ली,एजेंसी। भारत के विदेश मंत्री एस जयशंकर से मुलाकात के बीच फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने अमेरिका और चीन को लेकर बड़ी बात कही। उन्होंने नई औपनिवेशिक शक्ति दबदबा को बढ़ावा देने वाले रवैये से पूरी तरह इंकार कर दिया है। मैक्रों ने गुरुवार को पेरिस में फ्रांसीसी दूतावासों के सम्मेलन में कहा कि वे ऐसे किसी भी रुख का समर्थन नहीं

करते जो पुराने औपनिवेशवाद जैसा हो या छोटे देशों की संप्रभुता को प्रभावित करे। मैक्रों ने अमेरिका पर आरोप लगाया कि वह एक स्थापित शक्ति है, लेकिन धीरे–धीरे अपने कुछ सहयोगियों से दूर मुड़ रही है और अंतरराष्ट्रीय नियमों से अलग हो रही है। उन्होंने कहा कि वैश्विक परिदृश्य में अब महाशक्तियों के बीच दुनिया को बांटने की एक वास्तविक लालसा नजर आ रही है, जो छोटे राज्यों के हितों के लिए खतरनाक है। मैक्रों की यह टिप्पणी ऐसे समय में आई है जब अमेरिका की विदेश नीति पर यूरोपीय नेतृत्व में चिंता बढ़ रही है, खासकर नाटो के भीतर और वेनेजुएला व ग्रीनलैंड जैसे विवादों के संदर्भ में। वेनेजुएला में अमेरिका का सैन्य अभियान और ग्रीनलैंड को लेकर ट्रंप प्रशासन की टिप्पणियों ने यूरोपीय राजनयिकों में गहरी सावधानी पैदा कर दी है। जयशंकर ने फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों से मुलाकात के बाद सोशल मीडिया पर जानकारी साझा की। उन्होंने कहा कि उन्हें राष्ट्रपति मैक्रों से मुलाकात कर नरेंद्र मोदी की ओर से शुभकामनाएं पहुंचाने में खुशी हुई। उन्होंने कहा कि वैश्विक घटनाक्रमों पर राष्ट्रपति मैक्रों के विचारों की वे गहराई से सराहना करते हैं और भारत–फ्रांस रणनीतिक साझेदारी को लेकर उनके सकारात्मक दृष्टिकोण को भी महत्व देते हैं। बता दें कि फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों अगले महीने भारत की यात्रा पर आने वाले हैं। यह दौरा ऐसे समय हो रहा है जब भारत वैश्विक स्तर पर भारत एआई–इम्पैक्ट शिखर सम्मेलन 2026 की मेजबानी करने जा रहा है।

डब्ल्यूपीएल के पहले मैच में मुंबई इंडियंस का सामना आरसीबी से होगा, हरमनप्रीत–मंधाना होंगी आमने–सामने

मुंबई,एजेंसी। महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) 2026 की शुरुआत शुक्रवार से हो रही है। टूर्नामेंट के पहले मैच में दो बार की विजेता हरमनप्रीत कौर की अगुआई वाली मुंबई इंडियंस का सामना डब्ल्यूपीएल में एकमात्र अन्य खिताब जीतने वाली टीम रॉयल चौलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) से होगा जिसकी कमान स्टार बल्लेबाज स्मृति मंधाना संभाल रही हैं। चौथी डब्ल्यूपीएल का आयोजन दो चरणों में नवी मुंबई और वडोदरा में किया जाएगा। इससे खिलाड़ियों को जून–जुलाई में इंग्लैंड में होने वाले टी20 विश्व कप के लिए अपनी तैयारियों को परखने का भी मौका मिलेगा। कागजों पर देखा जाए तो मुंबई इंडियंस की टीम काफी मजबूत नजर आती है। उसके पास भारतीय कप्तान हरमनप्रीत के अलावा इंग्लैंड की कप्तान नैट साइवर ब्रंट और वेस्टइंडीज की कप्तान हेली मैथ्यूज जैसी अनुभवी खिलाड़ी भी हैं। मुंबई ने अपने अधिकतर खिलाड़ियों को टीम में बनाए रखा है और किसी भी टीम के लिए उसे हराना एक चुनौती होगी। न्यूजीलैंड की अमेलिया केर, ऑस्ट्रेलिया की मिली इलिंगवर्थ और भारत की भरोसेमंद अमनजोत कौर की मौजूदगी से उसकी बल्लेबाजी अधिक मजबूत हो गई है। शबनिम इस्माइल मुंबई के गेंदबाजी आक्रमण की अगुवाई करेंगी, जिसमें साइका इशाक भी शामिल हैं। आरसीबी की बात करें तो उसके पास मंधाना के अलावा एलिस पेरी जैसी मंझी हुई खिलाड़ी है। इन दोनों पर टीम को अच्छी शुरुआत दिलाने का जिम्मा होगा। ऑस्ट्रेलिया की बल्लेबाज जॉर्जिया वोल, ऑलराउंडर ग्रेस हैरिस और दक्षिण अफ्रीका की जुझारू ऑलराउंडर नादिन डी क्लर्क बल्लेबाजी की जिम्मेदारी संभालेंगी। आरसीबी के पास ऋचा घोष के रूप में अदद विकेटकीपर और फिनिशर है। भारत की अरुंधति रेड्डी, पूजा वस्त्रकार और इंग्लैंड की लॉरेन बेल आरसीबी की प्रमुख तेज गेंदबाजों में शामिल हैं। उसके पास इंग्लैंड की लिन्से स्मिथ, भारत की राधा यादव और श्रेयांका पाटिल जैसी अच्छी स्पिन गेंदबाज भी हैं।

दोनों टीमें इस प्रकार है...

मुंबई इंडियंस– हीली मैथ्यूज, अमनजोत कौर, हरमनप्रीत कौर (कप्तान), सजीवन सजना, संस्कृति गुप्ता, पूनम खेमनार, एमेलिया केर, नैत साइवर ब्रंट, निकोला कैरी, नाला रेड्डी, त्रिवेणी वशिष्ठ, जी कमालिनी (विकेटकीपर), राहिला फिरडोस (विकेटकीपर), मिली इलिंगवर्थ, साइका इशाक, शबनिम इस्माइल।

आरसीबी– दयालन हेमलता, स्मृति मंधाना (कप्तान), जॉर्जिया वोल, नादिन डी क्लर्क, ग्रेस हैरिस, गौतमी नाइक, श्रेयांका पाटिल, प्रेमा रावत, पूजा वस्त्रकार, सायली सत्घरे, ऋचा घोष (विकेटकीपर), कुमार प्रत्यूशा (विकेटकीपर), लॉरेन वेल, अरुंधति रेड्डी, लिन्से स्मिथ, राधा यादव।

हम यहां आपको मुंबई इंडियंस और आरसीबी के बीच डब्ल्यूपीएल 2026 मैच की लाइव स्ट्रीमिंग से जुड़ी जानकारी दे रहे हैं...

मुंबई इंडियंस और आरसीबी के बीच डब्ल्यूपीएल 2026 का मैच 09 जनवरी यानी शुक्रवार को खेला जाएगा।

मुंबई इंडियंस और आरसीबी के बीच डब्ल्यूपीएल 2026 का मैच कहां खेला जाएगा?

मुंबई इंडियंस और आरसीबी के बीच डब्ल्यूपीएल 2026 का मैच नवी मुंबई के डीवाई पाटिल स्पोर्ट्स अकादमी में खेला जाएगा।

मुंबई इंडियंस और आरसीबी के बीच डब्ल्यूपीएल 2026 का मैच शाम 7:30 बजे से शुरू होगा। टॉस इससे आधे घंटे पहले यानी शाम 7रू00 बजे होगा। डब्ल्यूपीएल 2026 के प्रसारण अधिक स्टार स्पोर्ट्स के पास है और दर्शक इसके मुकाबले स्टार स्पोर्ट्स के चौनलों पर देख सकेंगे। इसके अलावा मैच की लाइव स्ट्रीमिंग जियोहॉटस्टार एप पर होगी। आप ।उंतनरंसं. बवउ पर भी मैच के लाइव अपडेट्स पढ़ सकते हैं।

सबसे ज्यादा रन और छक्के किसके नाम ? मंधाना दोनों में शीर्ष–5 में नहीं विकेट के मामले में एमआई का जलवा

नई दिल्ली,एजेंसी। महिला प्रीमियर लीग 2026 का आज से आगाज हो रहा है। पहला मैच मुंबई इंडियंस और रॉयल चौलेंजर्स बेंगलुरु के बीच नवी मुंबई के डॉ. डीवाई पाटिल स्टेडियम में खेला जाएगा। महिला प्रीमियर लीग का पहला चरण नौ जनवरी से 17 जनवरी तक नवी मुंबई में खेला जाएगा। वहीं दूसरा चरण 19 जनवरी से पांच फरवरी तक वडोदरा (बारोडा) में आयोजित होगा। फाइनल मुकाबला भी वडोदरा में खेला जाएगा। लीग स्टेज में कुल 20 मुकाबले खेले जाएंगे। इसके बाद तीन फरवरी को एलिमिनेटर और दो दिन बाद यानी पांच फरवरी को फाइनल खेला जाएगा। शेड्यूल में सिर्फ दो डबल हेडर मुकाबले हैं। भारतीय महिला टीम के वनडे विश्व कप जीतने के बाद इस टूर्नामेंट का महत्व बढ़ गया है। इससे टूर्नामेंट में चार चांद लगेगा। साथ ही जून में महिला टी20 विश्व कप होना है। उससे पहले इस टूर्नामेंट को तैयारी के तौर पर भी देखा जा रहा है। टूर्नामेंट के ओवरऑल स्टैट्स ने दर्शकों को और रोमांचित कर दिया है। इस बार बल्लेबाजों और गेंदबाजों की प्रदर्शन सूची में कई रिकॉर्ड बनते दिख रहे हैं। हैरानी की बात तो ये है कि महिला प्रीमियर लीग में सबसे ज्यादा रन और छक्के लगाने वाले शीर्ष पांच खिलाड़ियों में स्मृति मंधाना का नाम नहीं है। शेफाली वर्मा ने सबसे ज्यादा छक्के जड़े, जबकि नैट शीवर ब्रंट ने कंसिस्टेंसी दिखाते हुए सबसे ज्यादा रन बनाए। आइए जानते हैं...

डब्ल्यूपीएल में सबसे ज्यादा रन बनाने वाली शीर्ष 10 खिलाड़ियों ने तीनों सीजन में कंसिस्टेंसी और आक्रामकता दिखाई। मुंबई इंडियंस की नेट शीवर ब्रंट ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 1027 रन बनाए हैं, जबकि स्मृति मंधाना शीर्ष–पांच में नहीं हैं। वह इस लिस्ट में सातवें स्थान पर हैं। सबसे ज्यादा छक्के लगाने के मामले में शेफाली वर्मा शीर्ष पर हैं। उन्होंने 49 छक्के लगाकर दर्शकों को रोमांचित किया। भारत की पावर हिटर ऋचा घोष और ऑस्ट्रेलिया की एश्ले गार्डनर भी इस मामले में शीर्ष खिलाड़ियों में शामिल हैं। स्ट्राइक रेट में शेफाली वर्मा 162.59 के साथ अव्वल हैं, जबकि नैट शीवर ब्रंट और हरमनप्रीत कौर भी शीर्ष खिलाड़ियों की सूची में हैं।

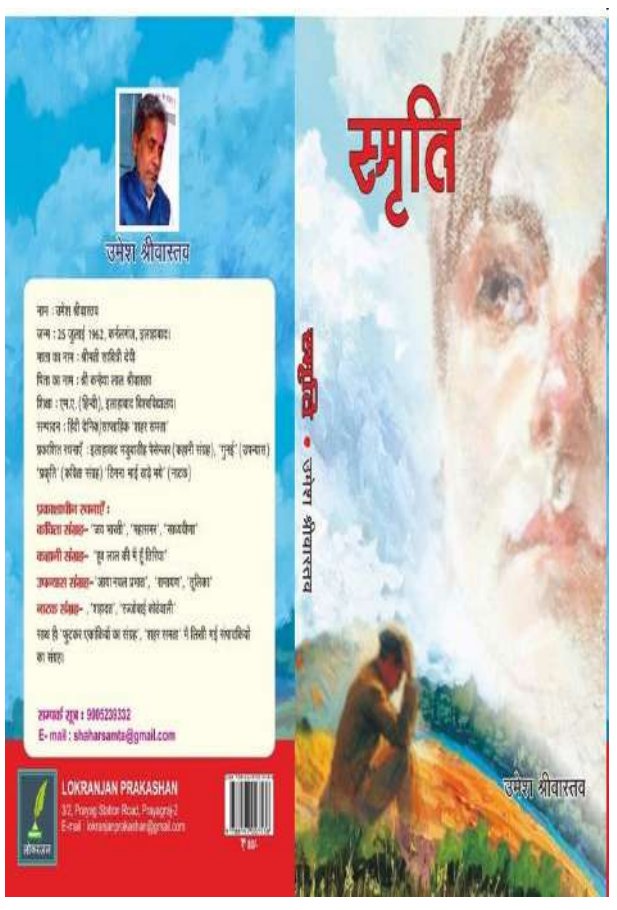

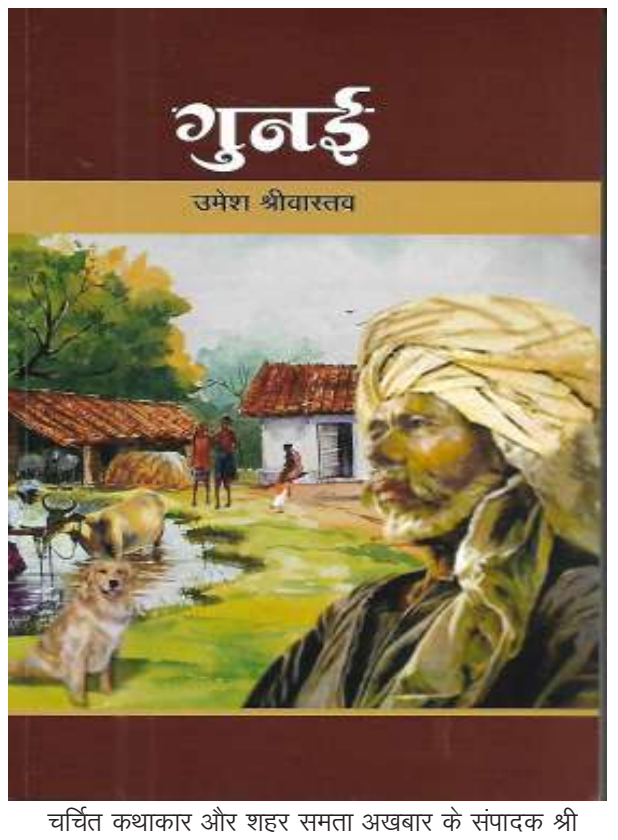

चर्चित कथाकार और शहर समता अखबार के संपादक श्री उमेश श्रीवास्तव जी का ग्रामीण पृष्ठभूमि पर लिखा बहु प्रतीक्षित

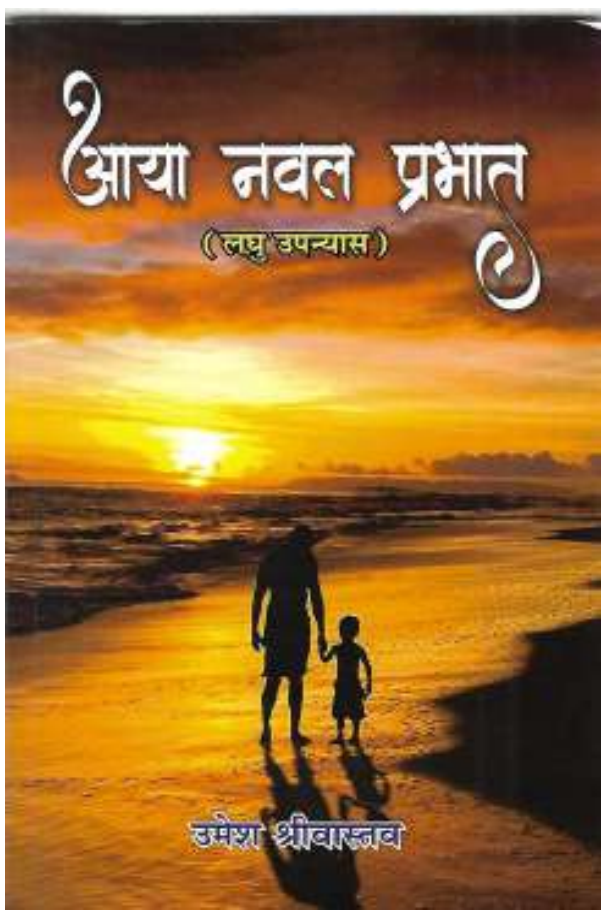

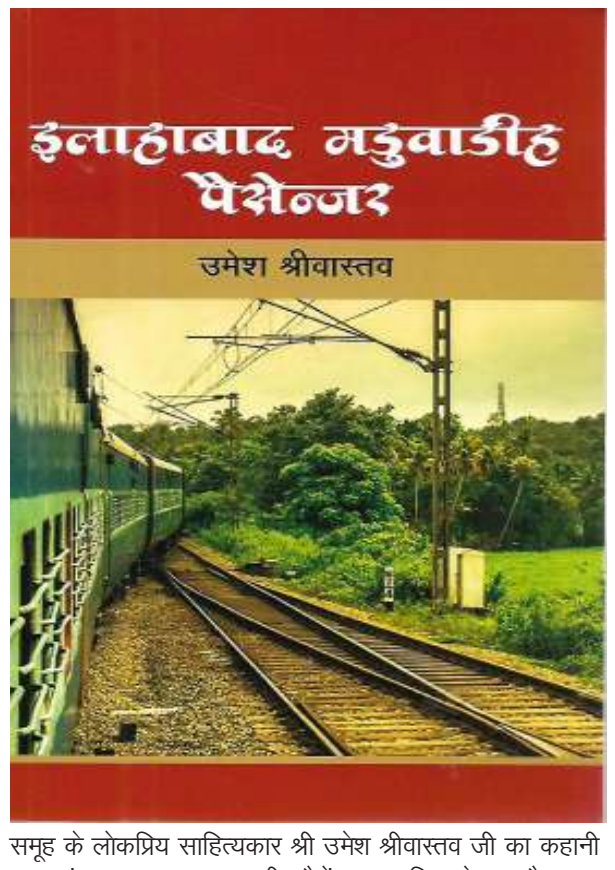

समूह के लोकप्रिय साहित्यकार श्री उमेश श्रीवास्तव जी का कहानी संग्रह इलाहाबाद मडुवाडीह पैसेंजर प्रकाशित हो गया है। उमेश श्रीवास्तव जी को बहुत बधाई एवम शुभकामना।

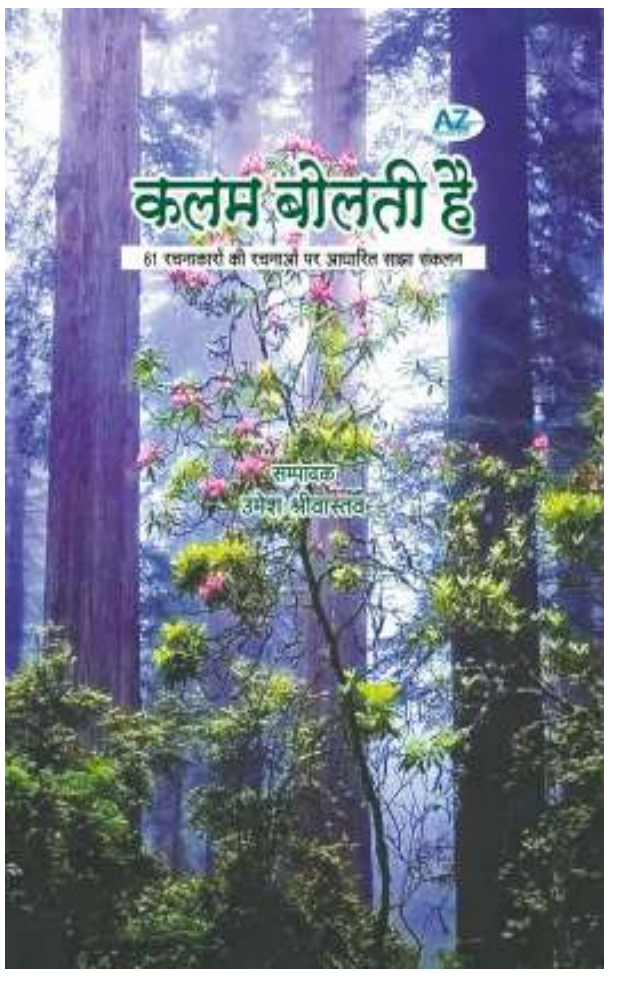

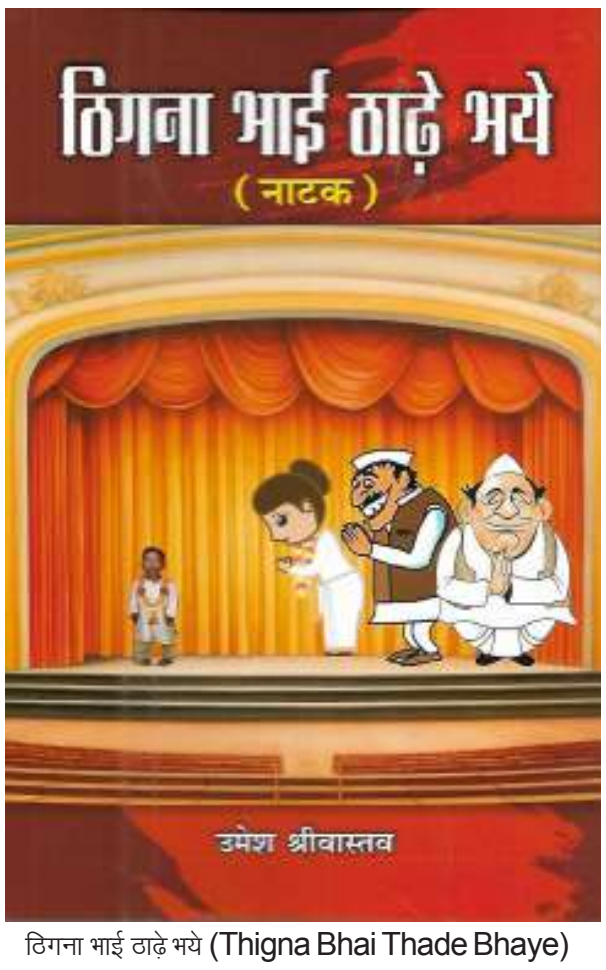

ठिगना भाई ठाढ़े भये (Thigna Bhai Thade Bhaye)

संक्षिप्त

अलेप्पो में कुर्द लड़ाकों के साथ संघर्ष के बाद युद्धविराम, सीरिया ने किया सीजफायर का एलान

सीरिया,एजेंसी। सीरिया के रक्षा मंत्रालय ने शुक्रवार को अलेप्पो शहर में सरकारी सेना और कुर्द लड़ाकों के बीच तीन दिनों से जारी संघर्ष के बाद युद्धविराम (सीजफायर) की घोषणा की। इस हिंसा के कारण हजारों लोगों को अपना घर छोड़नकर विस्थापित होना पड़ा है। मंत्रालय के बयान के मुताबिक, यह युद्धविराम शेख मकसूद, अशरफीह और बानी जैद इलाकों में सुबह 3 बजे से प्रभावी होगा। इसके साथ ही हथियारबंद समूहों को इलाका खाली करने के लिए छह घंटे का समय दिया गया

है। शहर छोड़ने वाले लड़ाकों को अपने निजी हल्के हथियार साथ ले जाने की अनुमति होगी। उन्हें सुरक्षा घेरे में देश के उत्तर–पूर्वी हिस्से में भेजा जाएगा, जो कुर्द नेतृत्व वाली सीरियन डेमोक्रेटिक फोर्सेज (एसडीएफ) के नियंत्रण में है। इस सबके बीच अलेप्पो के गवर्नर अजाम अल–गरीब ने सुरक्षा बलों के साथ विवादित इलाकों का दौरा किया। हालांकि, एसडीएफ की ओर से अभी तक इस समझौते पर कोई सार्वजनिक प्रतिक्रिया नहीं आई है। सीरिया में अमेरिकी दूत टॉम बैरक ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर इस घोषणा का स्वागत किया। उन्होंने सीरियाई सरकार, एसडीएफ और स्थानीय नेताओं के संयम की सराहना की। बैरक ने कहा कि अमेरिका इस छह घंटे की समय सीमा को और बढ़ाने के लिए सभी पक्षों के साथ काम कर रहा है। मंगलवार को शुरू हुई इस लड़ाई में अब तक लगभग 1,42,000 लोग विस्थापित हो चुके हैं। दोनों पक्षों ने एक–दूसरे पर हिंसा भड़काने और अस्पतालों व एंबुलेंस जैसे नागरिक ठिकानों को निशाना बनाने का आरोप लगाया है। कुर्द बलों का दावा है कि उनके इलाकों में कम से कम 12 नागरिक मारे गए, जबकि सरकारी अधिकारियों के अनुसार उनके नियंत्रण वाले क्षेत्रों में नौ लोगों की जान गई। ये झड़पें केंद्र सरकार और एसडीएफ के बीच सेना में विलय को लेकर चल रही बातचीत में आए गतिरोध के बीच हुई हैं। अंतरिम राष्ट्रपति अहमद अल–शारा की सरकार और एसडीएफ के बीच पिछले साल समझौता हुआ था, लेकिन इसे लागू करने पर सहमति नहीं बन पाई। अमेरिका में ट्रंप प्रशासन भी कुर्द बलों पर इस समझौते को मानने का दबाव बना रहा है।

गाजा में इस्राइली हमलों में 13 की मौत, अगले हफ्ते शांति बोर्ड की घोषणा कर सकते हैं ट्रंप

गाजा में हमास और इस्राइल के बीच पहले दौर के शांति समझौते के बाद भी हमले रूकने का नाम नहीं ले रहे हैं। गाजा में इस्राइली हमलों में कम से कम 13 लोग मारे गए। स्वास्थ्य अधिकारियों और परिवार के सदस्यों ने बताया कि उत्तरी गाजा में और साथ ही गाजा शहर के पूर्व में हुए कई हमलों के बाद मृतकों में कम से कम एक बच्चा शामिल था। इस्राइली की सेना ने शुक्रवार को बताया कि उसने गाजा शहर क्षेत्र से लड़ाकों द्वारा दागे गए एक असफल हमले के जवाब में दक्षिणी और उत्तरी गाजा में हमास के बुनियादी ढांचे और लड़ाकों को

निशाना बनाया। इन हमलों के बीच इस्राइल और हमास के बीच चरणबद्ध युद्धविराम अभी भी अपने प्रारंभिक चरण में है, क्योंकि गाजा में अंतिम बंधक के अवशेषों को बरामद करने के प्रयास जारी हैं। वहीं अमेरिकी अधिकारी और एक अन्य अधिकारी ने औपचारिक घोषणा होने तक नाम न छापने की शर्त पर इस मुद्दे पर बात की। अधिकारियों ने बताया कि अगले सप्ताह ट्रंप की ओर से शांति बोर्ड की घोषणा किए जाने की संभावना है, जिसकी अध्यक्षता वे खुद करेंगे। उनके मुताबिक यह मध्य पूर्व शांति योजना की दिशा में उनका एक अहम कदम होगा। बता दें कि अक्तूबर में इस्राइल और हमास के बीच दो साल से ज्यादा समय से चल रहे संघर्ष के अंत में हुए युद्धविराम के बाद से यह प्रक्रिया धीमी गति से आगे बढ़ी है। इससे पहले गुरुवार (09 जनवरी) को इस्राइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने कहा था कि बल्गेरियाई राजनयिक निकोले म्लादेनोव को बोर्ड के लिए श्नामितश महानिदेशक बनाया जाएगा। बता दें कि म्लादेनोव बुल्गारिया के पूर्व रक्षा और विदेश मंत्री हैं, जिन्होंने 2015–2020 तक संयुक्त राष्ट्र के मध्य पूर्व शांति दूत के रूप में नियुक्त होने से पहले इराक में संयुक्त राष्ट्र के दूत के रूप में कार्य किया था।

अगले महीने भारत आएंगे फ्रांस के राष्ट्रपति मैक्रों, एआई समिट में होंगे शामिल

पेरिस (फ्रांस),एजेंसी। फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों अगले महीने भारत की यात्रा पर आने वाले हैं। यह दौरा ऐसे समय हो रहा है जब भारत वैश्विक स्तर पर भारत एआई–इम्पैक्ट शिखर सम्मेलन 2026 की मेजबानी करने जा रहा है। इस बात की पुष्टि राष्ट्रपति मैक्रों ने गुरुवार को पेरिस में राजनयिक कोर को संबोधित करते हुए की। राष्ट्रपति मैक्रों ने कहा कि पिछले वर्ष फ्रांसीसी कूटनीति की सबसे बड़ी उपलब्धियों में से एक आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस पर वैश्विक सहयोग रहा। उन्होंने बताया कि पेरिस में आयोजित एआई समिट में दुनिया भर के देश शामिल हुए और इस पहल को भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ मिलकर आगे बढ़ाया गया।

आवश्यकता है

उत्तर प्रदेश राज्य के प्रयागराज जिले से प्रकाशित समाचार पत्र को समस्त जनपदों में एवम तहसील व ब्लॉक/शहर में ब्यूरो प्रमुख, चीफ रिपोर्टर, संवाददाता, प्रतिनिधि मण्डल की अवश्यकता है जिन्हे आकर्षण वेतन और भत्ते आदि सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी।

सम्पर्क सूत्र
शहर समता हिन्दी दैनिक/साप्ताहिक समाचार पत्र
मोबाईल नम्बर 9190052 39332
.919450482227

पोर्टलैंड में इमिग्रेशन एजेंटों ने कार सवार 2 लोगों पर गोली चलाई, डीएचएस ने बताया आत्मरक्षा

पोर्टलैंड,एजेंसी। अमेरिका के मिनियापोलिस शहर में बुधवार को इमिग्रेशन एंड कस्टम्स एनफोर्समेंट के एक एजेंट ने कार सवार महिला को गोली मारकर हत्या कर दी। इस घटना के बाद जमकर बवाल मचा और हजारों की संख्या में लोगों ने सड़कों पर उतर विरोध ा प्रदर्शन किया। वहीं अब पोर्टलैंड में फेडरल इमिग्रेशन अधिकारियों की गोलीबारी में दो लोगों के घायल होने की घटना सामने आई है।

ओरेगन राज्य के पोर्टलैंड शहर में फेडरल इमिग्रेशन अधिकारियों की गोलीबारी में दो लोग घायल हो गए। एफबीआई के पोर्टलैंड कार्यालय ने बताया कि गुरुवार दोपहर करीब 2:15 बजे एजेंट से जुड़ी गोलीबारी की घटना हुई, जिसमें कस्टम्स एंड बॉर्डर प्रोटेक्शन के एजेंट शामिल थे। इस फायरिंग में दो लोगों को गोली लगी है। फायरिंग की यह घटना अस्पताल के बाहर हुई। जहां एक गाड़ी में बैठे दो लोगों को फेडरल इमिग्रेशन अधिकारियों ने गोली मारकर घायल कर दिया। घटना की जानकारी देते हुए डिपार्टमेंट ऑफ होमलैंड सिक्योरिटी ने बताया कि कार सवार ट्रेन डी अरागुआ वेश्यावृत्ति गिरोह से जुड़ा एक वेनेजुएला का अवैध विदेशी था, जो पोर्टलैंड में हाल ही में हुई गोलीबारी में शामिल था।

डिपार्टमेंट ने एक लिखित बयान में कहा कि गुरुवार दोपहर जब एजेंटों ने गाड़ी में बैठे लोगों को अपनी पहचान बताई, तो ड्राइवर ने उन्हें कुचलने की कोशिश की। बयान में कहा गया है, ध्अपनी जान और सुरक्षा के डर से एक एजेंट ने बचाव में गोली चलाई। घटना के बाद ड्राइवर अन्य साथ को लेकर फरार हो गया। बता दें कि डिपार्टमेंट ऑफ होमलैंड सिक्योरिटी के अंतर्गत कस्टम्स एंड बॉर्डर प्रोटेक्शन और यूएस बॉर्डर पेट्रोल एजेंसियां आती हैं।

इधर, पोर्टलैंड पुलिस ब्यूरो ने बताया कि अधिकारियों ने शुरू में दोपहर करीब 2.18 बजे एक अस्पताल के पास गोलीबारी की रिपोर्ट पर कार्रवाई की। कुछ मिनट बाद पुलिस को जानकारी मिली कि जिस व्यक्ति को गोली लगी थी, वह कुछ मील दूर एक रिहायशी इलाके में मदद मांग रहा था। इसके बाद अधिकारी वहां पहुंचे और दो लोगों को घायल अवस्था में पाया। पुलिस ने बताया यह वो थे, जो कि फेडरल एजेंटों के साथ हुई गोलीबारी में घायल हुए थे। पोर्टलैंड पुलिस ने जांच लंबित रहने तक गोलीबारी की जगह और उस इलाके दोनों को सुरक्षित कर लिया जहां घायल लोग मिले थे। वहीं काउंसिल प्रेसिडेंट एलाना पर्टल–गुइनी ने पोर्टलैंड सिटी काउंसिल की बैठक के दौरान कहा कि गुरुवार की गोलीबारी शहर के पूर्वी हिस्से में हुई और दो पोर्टलैंड निवासी घायल हुए।

न्यूयॉर्क के ब्रुकलिन स्थित एक अस्पताल में तेज धार वाले हथियार से लैस एक व्यक्ति को पुलिस ने गोली मार दी। न्यूयॉर्क सिटी पुलिस के मुताबिक यह घटना गुरुवार शाम करीब 5रू30 बजे न्यूयॉर्क–प्रेस्बिटेरियन ब्रूकलिन मेथोडिस्ट अस्पताल में हुई, जो पार्क स्लोप इलाके में स्थित है। पुलिस को अस्पताल के अंदर एक व्यक्ति के हथियारबंद होने की सूचना मिली थी। फिलहाल उसकी पहचान उजागर नहीं की गई है। पुलिस विभाग ने हथियार के प्रकार और घायल व्यक्ति की हालत को लेकर कोई जानकारी देने से इनकार किया है। अधिकारियों का कहना है कि इस संबंध में विस्तृत जानकारी बाद में प्रेस कॉन्फ्रेंस में दी जाएगी। वहीं, अस्पताल प्रशासन ने भी इस मामले पर कोई टिप्पणी करने से इनकार करते हुए पुलिस को ही जानकारी का स्रोत बताया है।

अमेरिकी सांसद की खामेनेई को खुलेआम धमकी, बोले- ट्रंप तुम्हें मार डालेंगे ईरान में तनाव के बीच मचा भूचाल

तेहरान/वाशिंगटन,एजेंसी। वेनेजुएला में घुसकर अपदस्थ राष्ट्रपति निकोलस मादुरो पर की गई अमेरिकी कार्रवाई ने पूरी दुनिया में भूचाल मचा दिया है। इस बीच ट्रंप लगातार ग्रीनलैंड को लेकर बयानबाजी कर रहे हैं। अब अमेरिकी नेता ने ईरान के सुप्रीम लीडर को जान से मारने की धमकी दी है। अमेरिकी सीनेटर और रिपब्लिकन नेता के लिंडसे ग्राहम ने ऐसा बयान दिया है, जिसने अंतरराष्ट्रीय राजनीति में सनसनी फैला दी। अमेरिका और ईरान के बीच पहले से ही जारी तनाव अब और बढ़ गया है। अमेरिकी रिपब्लिकन सीनेटर (सांसद) लिंडसे ग्राहम ने ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई को कड़ी चेतावनी जारी करते हुए कहा है कि अगर ईरानी अधिकारी प्रदर्शनकारियों को मारना या घायल करना जारी रखते हैं तो राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप घातक कार्रवाई का सहारा ले सकते हैं। उन्होंने अपने बयान में साफ कहा कि अगर ईरानी नेतृत्व अपने ही लोगों के खिलाफ हिंसा जारी

रखेगा तो अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप उन्हें मार देंगे। उन्होंने खामेनेई को एक धार्मिक नाजी बताते हुए कहा कि वो एक धार्मिक नाजी है, जो अपने ही लोगों को मारता है और दुनिया को आतंकित करता है। ग्राहम ने यह टिप्पणी फॉक्स न्यूज पर अपनी मौजूदगी के दौरान कीं। जिसमें उन्होंने ईरान में चल रहे सरकार विरोधी प्रदर्शनों का जिक्र किया। श्द शॉन हैनिटी शोश के दौरान ईरानी नागरिकों को संबोधित करते हुए ग्राहम ने कहा कि हम आज रात आपके साथ खड़े हैं।

मंगलवार (7 जनवरी) दिए अपने बयान में उन्होंने कहा कि अगर तुम अपने लोगों को बेहतर जीवन की मांग पर मारते रहे, तो डोनाल्ड जे. ट्रंप तुम्हें मार देंगे। अयातुल्ला और उसके गुंडों, अगर तुम ट्रंप की चेतावनी को चुनौती देते रहे, तो तुम सुबह मरे हुए पाए जाओगे। उन्होंने प्रदर्शनकारियों को आश्वस्त करते हुए यह भी कहा कि मदद आ रही है। ट्रंप ने भी दी सख्त कार्रवाई की चेतावनी, अब तक 45 मौतें ग्राहम की ये टिप्पणियां वाशिंगटन और तेहरान के बीच बढ़ते तनाव के बीच आईं। ट्रंप ने पहले ही चेतावनी दी थी कि अगर ईरानी प्रदर्शनकारियों पर गोलियां चलाई जाती रहीं तो अमेरिका कार्रवाई कर सकता है। ट्रुथ सोशल पर एक पोस्ट में ट्रंप ने चेतावनी दी कि अगर ईरान शांतिपूर्ण प्रदर्शनकारियों पर गोलियां चलाता है और उन्हें बेरहमी से मारता है, तो अमेरिका उनकी मदद के लिए आएगा। हम पूरी तरह से तैयार हैं और कार्रवाई के लिए तत्पर हैं। बता दें कि ईरान में बीते दो हफ्तों से जारी प्रदर्शनों में अब तक 45 लोगों की जान जा चुकी हैं।

तनाव के बीच खामेनेई ने जनता को किया संबोधित, ट्रंप को भी लिया आड़े हाथ बोले- घमंडी का होगा पतन

तेहरान,एजेंसी। ईरान में इन दिनों हालात काफी तनावपूर्ण बने हुए हैं। देशभर में सरकार के खिलाफ बड़े पैमाने पर विरोध ा प्रदर्शन हो रहे हैं। इसी बीच शुक्रवार को ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई का एक भाषण सरकारी टीवी पर दिखाया गया, जिसमें उन्होंने देशव्यापी विरोध प्रदर्शनों पर बात

की। इस दौरान उन्होंने अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप पर भी तीखा हमला बोला। खामेनेई ने ट्रंप को घमंडी बताते हुए कहा कि एक दिन उनका भी पतन होगा। ईरान के सर्वोच्च नेता ने कहा कि इस्लामिक गणराज्य ईरान हजारों शहीदों के बलिदान से बना है और यह देश कभी भी साजिश रचने वालों के सामने झुकने वाला नहीं है। उन्होंने साफ शब्दों में कहा कि सरकार विरोधी ताकतें चाहे जितनी कोशिश कर लें, ईरान अपने रास्ते से पीछे नहीं हटेगा। इस दौरान तेहरान में चल रहे विरोध ा प्रदर्शनों का जिक्र करते हुए खामेनेई ने आरोप लगाया कि प्रदर्शनकारी अमेरिका के राष्ट्रपति को खुश करने के लिए ऐसा कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि वे ट्रंप को खुश करना चाहते हैं। अगर ट्रंप को किसी देश को चलाना आता, तो पहले अपने देश को ठीक से चलाते। खामेनेई ने यह भी कहा कि अमेरिका के अंदर खुद कई गंभीर समस्याएं हैं, लेकिन इसके बावजूद वह दूसरे देशों के मामलों में दखल देता है। खामेनेई का यह अचानक दिया गया भाषण इस बात का संकेत है कि ईरानी सरकार इन प्रदर्शनों को लेकर काफी चिंतित है। सरकार ने हालात को काबू में रखने के लिए देश में इंटरनेट और बाहरी दुनिया से फोन संपर्क बंद कर दिया है, ताकि लोग आपस में और विदेशों से संपर्क न कर सकें। बता दें कि गुरुवार रात से लेकर शुक्रवार सुबह तक ईरान के कई शहरों में लोग सड़कों पर उतर आए। ये प्रदर्शन ईरान के पूर्व शहजादे (क्राउन प्रिंस) के आह्वान के बाद शुरू हुए, जो इस समय देश से बाहर निर्वासन में रह रहे हैं। लोगों ने नारे लगाए और सरकार के खिलाफ मार्च किया। मामले में ईरान के सरकारी टीवी चौनल ने आरोप लगाया कि हिंसा फैलाने के पीछे अमेरिका और इस्राइल से जुड़े आतंकी एजेंट हैं। सरकारी मीडिया के अनुसार, इन्हीं लोगों ने आगजनी की और हालात को बिगाड़ा। टीवी चौनल ने यह भी कहा कि इन घटनाओं में कुछ लोग हताहत हुए हैं, लेकिन कितने लोग घायल या मारे गए, इसकी कोई जानकारी नहीं दी गई। फिलहाल ईरान में स्थिति काफी गंभीर बनी हुई है। सरकार सख्ती से हालात को नियंत्रित करने की कोशिश कर रही है, जबकि आम लोग सड़कों पर उतरकर अपनी नाराजगी जाहिर कर रहे हैं।

यूक्रेन हमले में पहली बार ओरेशनिक बैलिस्टिक मिसाइल का इस्तेमाल, रूसी रक्षा मंत्रालय की पुष्टि

मॉस्को/कीव,एजेंसी। रूस और यूक्रेन के बीच जारी युद्ध के बीच तनाव और बढ़ गया है। रूस के रक्षा मंत्रालय ने पुष्टि की है कि यूक्रेन पर किए गए ताजा हमले में नए 'ओरेशनिक' बैलिस्टिक मिसाइल का इस्तेमाल किया गया है। इस हमले में कीव में चार लोगों की मौत और कम से कम 22 घायल हुए हैं। रूस ने यह नहीं बताया कि ओरेशनिक मिसाइल ने कहां निशाना साधा, लेकिन रूस के मीडिया के अनुसार, यह यूक्रेन के पश्चिमी लविव क्षेत्र में एक विशाल भूमिगत प्राकृतिक गैस भंडारण पर निशाना बना। रूस की रक्षा मंत्रालय ने कहा कि यह हमला

यूक्रेनी ड्रोन द्वारा राष्ट्रपति पुतिन के निवास पर पिछले महीने कथित हमले का जवाब था। हालांकि, यूक्रेन और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने इसे खारिज किया है। लविव के मेयर एंड्री सादोवी ने कहा कि रूस ने महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचे को निशाना बनाया, लेकिन उन्होंने विस्तार में जानकारी नहीं दी। मिसाइल की गति लगभग 13,000 किलोमीटर प्रति घंटे थी।

ओरेशनिक मिसाइल को पहली बार नवंबर 2024 में यूक्रेनी फैक्ट्री पर टेस्ट किया गया था। पुतिन का दावा है कि ओरेशनिक की मल्टीपल वारहेड्स की गति डंबी 10 तक होती है और इसे इंटरसेप्ट नहीं किया जा सकता। यह नाभिकीय हथियार भी ले जा सकता है। इस हमले के बाद कीव में जिन लोगों की मौत हुई उनमें एक आपातकालीन मेडिकल कार्यकर्ता शामिल है। पांच बचावकर्मी घायल हुए, जो हमले की जगह पर बचाव कार्य कर रहे थे। हमले के कारण कीव के कई जिलों में पानी और बिजली बाधित हो गई। डेसन्यांस्की जिले में एक ड्रोन मल्टी–स्टोरी बिल्डिंग की छत पर गिरा। डनिप्रो जिले में भी ड्रोन से आग लग गई और बिल्डिंग को नुकसान हुआ। हमले के कुछ घंटे पहले ही यूक्रेनी राष्ट्रपति वलोडिमिर जेलेंस्की ने देश को रूस के बड़े हमले की चेतावनी दी थी। उन्होंने कहा कि रूस राजधानी में सर्द मौसम का फायदा उठाने की कोशिश कर रहा है, जिससे सड़कें फिसलन भरी हो गई हैं।

वैश्विक दक्षिण को शांति–स्थिरता के लिए भारत के नेतृत्व की खास जरूरत, श्रीलंकाई सांसद का पोस्ट

कोलंबो,एजेंसी। दक्षिण एशिया में लंबे वक्त तक शांति और स्थिरता के लिए भारतीय नेतृत्व की खास जरूरत है। यह बात गुरुवार को श्रीलंका के सांसद नमल राजपक्षे ने अपनी सोशल मीडिया पोस्ट में कही। राजपक्षे ने कहा कि हाल की बदलती वैश्विक और क्षेत्रीय सुरक्षा चुनौतियों के बीच दक्षिण एशिया में मजबूत क्षेत्रीय सहयोग की बढ़ती और तत्काल जरूरत है और भारत इसमें केंद्रीय भूमिका निभा सकता है।

प्रतापगढ़ ब्यूरो
शरद कुमार श्रीवास्तव
7/31, अचलपुर, प्रतापगढ़

संस्थापक
स्व.कन्हैया लाल
स्व.श्रीमती साधना
सम्पादक
उमेश चंद्र श्रीवास्तव
प्रबन्ध सम्पादक
अरविन्द पाण्डेय
संयुक्त सम्पादक
अनंत श्रीवास्तव
संयुक्त सम्पादक (तकनीकी)
केशव श्रीवास्तव
विधि सलाहकार
कल्पना श्रीवास्तव

शहर समता
स्वामी/प्रकाशक/मुद्रक/सम्पादक उमेश चन्द्र श्रीवास्तव द्वारा कम्पीटेन्ट बिजनेस सर्विसेज, विष्णु पदम कुटीर 115डी/2ई लूकरगंज, इलाहाबाद से मुद्रित कराकर 289/238ए,कर्नलगंज इलाहाबाद से प्रकाशित
सम्पादक
उमेश चन्द्र श्रीवास्तव
मो.नं.9005239332
आर.एन.आई.नं.
यूपीएचआईएन/2004/22466
Email : shaharsamta@gmail.com
इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।